मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, सोमवार, 23 जून 2025
संवत 2082, आषाढ़ कृष्ण 12 मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 289 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ तेजी से बढ़ता भारत का एआई बाजार
सलमान खान ने सोहेल खान की शादी पर कसा तंज, कहा... ◂◂ 6

बरही में जर्जर मकान की छत गिरने से पति-पत्नी की दबकर मौत

संवाददाता

हजारीबाग: जिला अंतर्गत बरही थाना क्षेत्र के रसोईया धमना बाराटोला गांव से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। एक मकान की छत अचानक गिर गयी, जिसमें दबकर पति और पत्नी की मौत हो गयी। इस हादसे से इलाके में मातम पसर गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, रविवार मध्य रात्रि को एक जर्जर मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई। जिससे घर के भीतर सो रहे हबीब अंसारी (उम्र 50 वर्ष) और उनकी पत्नी जुमेरा खातून की मौत मौके पर ही मलबे में दबकर हो गई।

हादसा इतना भयानक था कि दोनों पति-पत्नी मलबे के नीचे पूरी तरह दब गए। आसपास के लोगों को जब इसकी भनक लगी तो वे आनन-फानन में दौड़े और मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला। इसके लोगों की मदद से उनको तत्काल बरही अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे को लेकर गांव के लोगों का कहना है कि मकान काफी पुराना और जर्जर स्थिति में था।

इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। बरही के अंचलाधिकारी (सीओ) अमित किस्कू ने बताया कि यह मामला प्राकृतिक आपदा के अंतर्गत आता है। जिसमें सरकारी प्रावधानों के अनुसार मृतक के परिजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। फिलहाल पुलिस और प्रशासनिक टीम पूरे मामले की जांच कर रही है, और पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया गया है। बता दें कि जुमेरा खातून स्थानीय वार्ड संख्या 9 की एक सक्रिय जनप्रतिनिधि थीं और गांव के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। उनकी असामयिक मौत से गांव में शोक और स्तब्धता का माहौल है। मृतक दंपती अपने पीछे चार पुत्रियां और एक पुत्र को छोड़ गए हैं। अब इन बच्चों के सामने अंधकारमय भविष्य की चिंता सता रही है।

ईरान के 3 परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों के बाद अब टेररिस्ट अटैक की चेतावनी

एजेंसी/वाशिंगटन: अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने ईरान के परमाणु केंद्रों पर वायु सेना के हमलों के बाद अगले दो महीनों में देश में आतंकवादी हमलों की चेतावनी दी है। विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि यदि ईरानी नेतृत्व ने गृहभूमि में लक्ष्यों के खिलाफ जवाबी हमलों का आह्वान करते हुए धार्मिक निर्णय जारी किया, तो गृहभूमि में हिंसक चरमपंथियों द्वारा संघर्ष के जवाब में स्वतंत्र रूप से हिंसा करने की आशंका बढ़ जाएगी। बुलेटिन में उल्लेख किया गया है कि अमरीकी कानून प्रवर्तन के अनुसार अमरीका में कई आतंकवादी हमले यहूदी-विरोधी भावना से प्रेरित थे।

बुलेटिन में कहा गया है कि चल रहे इजरायल-ईरान संघर्ष से अमरीका में रहने वाले व्यक्ति अतिरिक्त हमलों की साजिश रच सकते हैं। डीएचएस ने साइबर खतरों के बढ़ते जोखिमों की भी चेतावनी दी। बुलेटिन में कहा गया है कि ईरान में चल रहे संघर्ष के कारण अमेरिका में खतरे का माहौल बढ़ रहा है। ईरान समर्थक हैक्टीविस्टों द्वारा अमेरिकी नेटवर्क पर निम्न-स्तरीय साइबर हमले किए जाने की आशंका है और ईरान सरकार से जुड़े साइबर समूह अमेरिकी नेटवर्क पर हमले कर सकते हैं। यह अलर्ट दो महीने के लिए 22 सितंबर तक प्रभावी रहेगा। उल्लेखनीय है कि अमरीका की वायुसेना ने ईरान के तीन परमाणु स्थलों पर हमले किए, जिनमें फोर्डो, नतांज और एस्फाहान शामिल हैं।

ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागी : यरूशलमः इजरायल ने कहा है कि ईरान उनके देश पर मिसाइलें दाग रहा है और वायु रक्षा बल (आईएएफ) उन्हें रोक रहे हैं। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी है। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा कि कुछ समय पहले ईरान से इजराइल की ओर दागी गयी मिसाइलों की पहचान के बाद इजराइल के कई क्षेत्रों में सायरन बजने लगे। इस समय आईएएफ खतरे को खत्म करने के लिए जहां आवश्यक हो वहां अवरोधन और हमला करने के लिए काम कर रहा है।

एयर इंडिया के दो विमानों में तकनीकी गड़बड़ी, त्रिवेंद्रम में एक की इमरजेंसी लैंडिंग, दूसरी फ्लाइट रद्द

नई दिल्ली: एयर इंडिया के विमानों में तकनीकी गड़बड़ियों के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से एयरलाइन सतर्क हो गई है और अपने सभी विमानों की जांच कर रही है। इसी क्रम में रविवार को एयर इंडिया के दो विमानों में गड़बड़ी सामने आई, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा।

दिल्ली से कोच्चि जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट को ईंधन की कमी के कारण तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और ईंधन भरने के बाद कोच्चि के लिए रवाना हो गया।

इसी दिन दिल्ली से त्रिवेंद्रम पहुंची एक अन्य फ्लाइट में पक्षी टकराने की घटना हुई। पायलट ने त्रिवेंद्रम में लैंडिंग से पहले कंट्रोल टॉवर को इसकी जानकारी दी। विमान सुरक्षित उतारा गया, लेकिन औपचारिक जांच लंबित रहने के कारण यही विमान जब दिल्ली वापस लौटने वाला था, तो उसकी फ्लाइट रद्द कर दी गई। इस वजह से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गौरतलब है कि 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की एक फ्लाइट भयानक हादसे का शिकार हो गई थी। उस हादसे में 241 यात्रियों सहित 270 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और आंकड़ा 300 तक पहुंचने की आशंका है। हादसे के बाद एयर इंडिया ने अपने सभी विमानों की तकनीकी जांच शुरू की है, जिसमें कई कमियां और लापरवाहियाँ सामने आई हैं।

एयर इंडिया के प्रवक्ताओं के अनुसार, यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए सभी विमानों की जांच की जा रही है और जरूरी सुधार के बाद ही उड़ानों को मंजूरी दी जा रही है। इसी वजह से हाल के दिनों में कई फ्लाइट्स को रद्द भी किया गया है।

चार राज्यों में हुए उपचुनाव के नतीजे

गुजरात में आप और भाजपा ने जीती एक-एक सीट केरल में कांग्रेस, बंगाल में टीएमसी को बढ़त

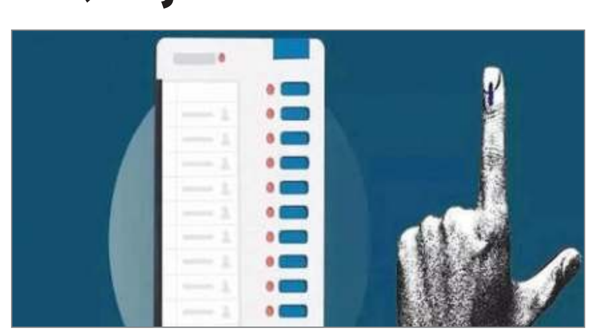

नई दिल्ली: गुजरात, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की पांच सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे सोमवार को जारी किए गए। गुजरात की दो सीटों में एक पर आम आदमी और एक पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है। ऐसे ही पंजाब में आप, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और केरल कांग्रेस उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। उपचुनाव 19 जून को कराए गए थे।

केरल की नीलांबूर सीटः यह सीट मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की अगुवाई वाली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के लिए प्रतिष्ठा से जुड़ी मानी जा रही है। यह सीट पीवी अनवर के इस्तीफे से खाली हुई थी। शुरूआत में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार आर्यदान शौकत को बढ़त मिलती दिख रही है। भाजपा की तरफ से एडवोकेट मोहन जॉर्ज मैदान में हैं, वहीं एलडीएफ ने एम. स्वरोज को उतारा है। इस सीट पर प्रियंका गांधी भी प्रचार कर चुकी हैं।

पंजाब की लुधियाना पश्चिम सीटः लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में आम आदमी पार्टी जीत गई है। आप के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने पहले राउंड से बढ़त बनाए रखी जो आखिरी राउंड तक कायम रही। कांग्रेस के भारत भूषण आशु दूसरे नंबर पर रहे। भाजपा के जीवन गुप्ता को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। उपचुनाव में आप को 35179 वोट मिले। कांग्रेस के भारत भूषण आशु को 24542 मत मिले। भाजपा के जीवन गुप्ता को 20323 वोट मिले। शिअद के परउपकार सिंह घुम्मण 8203 वोट ही ले पाए। वहीं 793 लोगों ने नोटा का बटन दबाया।

गुजरात की कडी विधानसभा सीटः कडी अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीट है, जो भाजपा विधायक कर्सन सोलंकी के निधन के बाद खाली हुई। भाजपा के राजेंद्र चावड़ा ने उपचुनाव में जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को 39452 वाटों से हराया। आप के जगदीश चावड़ा तीसरे नंबर पर रहे।

गुजरात की विसावदर सीटः विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के पूर्व राज्य अध्यक्ष गोपाल इटालिया ने जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने भाजपा उममीदवार किरीट पटेल को 17554 वोटों से हराया। यह सीट आप विधायक भूपेंद्र भायाणी के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। कांग्रेस उममीदवार के नितिन रणपरिया तीसरे नंबर पर रहे। भाजपा यहां 2007 से जीत नहीं दर्ज कर पाई है। बंगाल की कालीगंज सीटः यह सीट टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद के निधन से खाली हुई थी। उनकी बेटी अलिफा अहमद टीएमसी से चुनाव लड़ रही हैं और बढ़त में हैं। कांग्रेस के काबिल शेख और भाजपा के आशीष घोष भी मैदान में हैं। यह सीट मुस्लिम बहुल इलाका है और अगले साल के बंगाल चुनाव से पहले टीएमसी-भाजपा के लिए अहम मानी जा रही है।

महंगे हो सकते हैं एलपीजी सिलेंडर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर भी नजर

नई दिल्ली: ईरान और इजराइल युद्ध?का पूरे विश्व में असर पड़ना तय है।?अगर युद्ध खिंचता है तो पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अमेरिका के ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर हमलों ने दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक क्षेत्र वेस्ट एशिया से सप्लाई रुकने का डर बढ़ा दिया है।?10 साल में भारत में एलपीजी का प्रयोग दोगुना से ज्यादा हो गया है, अब 33 करोड़ घरों में एलपीजी पहुंच रही है।?भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, जिसमें से 95 प्रतिशत गैस सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे वेस्ट एशियाई देशों से आती है। ऐसे में अगर इस क्षेत्र में आपूर्ति बाधित होती है, तो घरेलू बाजार में कीमतें बढ़ना लगभग तय है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पास आयात टर्मिनलों, रिफाइनरियों और बॉटलिंग प्लांट्स में जितनी एलपीजी जमा करने की क्षमता है, वह राष्ट्रीय औसत खपत के सिर्फ लगभग 16 दिनों के लिए ही पर्याप्त है। पेट्रोल और डीजल के मामले में देश की स्थिति कहीं बेहतर है। भारत इन दोनों का शुद्ध निर्यातक देश है। यह अपनी घरेलू पेट्रोल खपत का लगभग 40 प्रतिशत और डीजल खपत का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा निर्यात करता है। जरूरत पड़ने पर इन निर्यात मात्राओं को घरेलू बाजार की ओर आसानी से मोड़ा जा सकता है। एक तरफ तेल की कीमतों में आग लग गई है तो वही भारतीय रुपया और शेयर बाजार धड़ाम हो गया है। दरअसल अमेरिका के ईरान में परमाणु स्थलों पर हमला करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 86।72 प्रति डॉलर पर आ गया।

निवेशकों पर टूटा कहर,15 मिनट में 3 लाख करोड़ रुपए का हुआ नुकसान

मुंबई: कमजोर वैश्विक संकेतों और चौतरफा बिकवाली के दबाव के चलते भारतीय शेयर बाजार ने सोमवार को शुरूआती कारोबार में भारी गिरावट दर्ज की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 900 अंकों से अधिक गिरकर 81,488 के स्तर तक पहुंच गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 भी 24,850 के नीचे कारोबार करता दिखा।

सेंसेक्स ने पिछले बंद भाव 82,408।17 के मुकाबले 81,704।07 पर कमजोर शुरूआत की और दिन के शुरूआती मिनटों में ही 1% से ज्यादा गिरकर 81,488।54 के निचले स्तर को छू गया। इसी तरह, निफ्टी 50 ने भी पिछले बंद स्तर 25,112।40 के मुकाबले 24,939।75 पर शुरूआत की और 1% से अधिक की गिरावट के साथ 24,834।55 तक पहुंच गया। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी लगभग 1% की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले कारोबारी सत्र के लगभग 448 लाख करोड़ से घटकर लगभग 445 लाख करोड़ रुपए रह गया। इससे स्पष्ट होता है कि कारोबार के शुरूआती 15 मिनटों में ही निवेशकों को लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारों के मारे जाने तक ऑपरेशन सिंदूर जारी रहना चाहिएः असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्लीः ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि भारत को ऑपरेशन सिंदूर तब तक जारी रखना चाहिए जब तक कि पहलगाम आतंकी हमले के चारों हत्यारे मारे नहीं जाते।

आज रात 10 बजे इंडिया टीवी पर प्रसारित होने जा रहे रजत शर्मा के मशहूर शो 'आप की अदालत' में सवालों के जवाब देते हुए ओवैसी ने चेतावनी दी, अगर पाकिस्तान ने दोबारा हिमाकत की तो बहुत महंगा साबित होगा इस बार। ओवैसी ने कहा, अगर भारतीय सशस्त्र बल चाहते तो पाकिस्तान के सभी नौ एयरबेस को पूरी तरह तबाह कर सकते थे, लेकिन उन्होंने सिर्फ रनवे को निशाना बनाया। यह उनके लिए एक संदेश था कि यह तो बस ट्रेलर था और उन्हें सावधान रहना चाहिए। हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और दुश्मन को मैसेज मिल गया। औवैसी, जो सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया जैसे इस्लामी देशों में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे।

अमरनाथ यात्रा को लेकर हाई अलर्ट, बॉर्डर से लेकर हाईवे तक भारी सुरक्षा बल तैनात

कठुआ/हीरानगर : श्री बाबा अमरनाथ यात्रा 2025 को लेकर जम्मू-कश्मीर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। खासकर हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सुरक्षाबलों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। इस संवेदनशील परिस्थिति में कठुआ जिला के हीरानगर सेक्टर को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है, क्योंकि यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक होने के साथ-साथ जम्मू-पठानकोट हाईवे पर प्रमुख स्थान पर स्थित है।

यही कारण है कि सुरक्षा एजेंसियों ने यहां हर गतिविधि पर पैनी नजर रखना शुरू कर दिया है। रविवार शाम को हीरानगर के लौंडी मोड़ नाके पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी), सीआरपीएफ, सीआईएसएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त टीम ने विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान हर वाहन को रोककर उसमें बैठे लोगों की पहचान, वाहन दस्तावेजों और सामान की गहन जांच की गई। कोई भी संदिग्ध तत्व या वस्तु नजर में आते ही तुरंत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जवानों को निर्देश दिए गए हैं कि यात्रा से जुड़े हर वाहन की गंभीरता से तलाशी लें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। हीरानगर सेक्टर की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों में भी चौकसी बढ़ा दी गई है।

बॉर्डर से लगते गांवों से लेकर हाईवे तक हर गली, हर मोड़, हर मार्ग की कड़ी निगरानी की जा रही है। सुरक्षाबलों द्वारा पैदल गश्त भी बढ़ा दी गई है और स्थानीय स्तर पर खुफिया तंत्र को सक्रिय कर दिया गया है। इस बार की अमरनाथ यात्रा सुरक्षा के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। प्रशासन ने हर स्थिति से निपटने की रणनीति तैयार कर ली है। ड्रोन की मदद से संवेदनशील क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। हीरानगर सेक्टर के कुछ हिस्सों में हाई-डेफिनिशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो सीधे कंट्रोल रूम को फीड भेज रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सेना भी हीरानगर के बॉर्डर क्षेत्रों में हाई अलर्ट पर है।

इंटरनेशनल बॉर्डर से लगे हुए मार्गों पर स्पेशल चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं, ताकि किसी भी संभावित घुसपैठ या आतंकी गतिविधि को पहले ही रोका जा सके। सभी एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर लिया गया है और फील्ड अफसरों को नियमित रूप से ब्रीफिंग दी जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि अमरनाथ यात्रा आस्था का महापर्व है और इसमें किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सरकार और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हीरानगर सेक्टर में हर मोर्चे पर सतर्कता बरती जा रही है ताकि बाबा बफानी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालु निश्चिंत होकर अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेला की तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था का उपायुक्त ने लिया जायजा

मेट्रो रेज

रांचीः आगामी 27 जून से आरंभ होने वाले भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा मेला की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रविवार को रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मेला की तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा जिला के वरीय पदाधिकारियों और मंदिर समिति के सदस्यों के साथ बैठक की।

इस दौरान उपायुक्त ने जगन्नाथपुर मंदिर से मौसीबाड़ी तक रथ यात्रा के मार्ग का भौतिक निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं के निर्बाध आवागमन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग पर किसी प्रकार की बाधा न हो और श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन सिन्हा ने बताया कि दुकानदारों को केवल निर्धारित स्थानों पर ही दुकान लगाने की अनुमति दी गई है, ताकि रथ यात्रा के दौरान मार्ग अवरुद्ध न हो और भीड़ प्रबंधन में सहूलियत हो।

उपायुक्त ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 24 घंटे बिजली आपूर्ति, चलंत शौचालय, शुद्ध पेयजल, अग्निशमन वाहन और एंबुलेंस की व्यवस्था की गई है। साथ ही, डीआईजी सह वरीय पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि मेला परिसर की निगरानी के लिए वॉच टावर और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत प्रमुख स्थलों पर दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। इसके लिए संयुक्त आदेश जारी किया जाएगा। मेला क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी और विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक की थैलियों, डिस्पोजेबल ग्लास, प्लेट, चम्मच आदि के उपयोग पर रोक लगाई गई है। हर स्टॉल के बाहर डस्टबिन रखना अनिवार्य होगा।

जिला प्रशासन का लक्ष्य रथ मेला को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। इस दिशा में प्रशासन ने सभी दुकानदारों, खाद्य स्टॉल संचालकों और आयोजकों से दोना, पत्तल और अन्य बायोडिग्रेडेबल सामग्री के उपयोग की अपील की है।

सभी गांवों में 20 दिनों में बहाल होगी बिजलीः सांसद

सांसद की पहल पर वंचित गांवों में पहुंचेगी बिजली,मुख्य सड़क निर्माण कार्य भी शीघ्र

चतराः जिले का लावालौंग प्रखंड वन्य अभयारणी क्षेत्र होने के कारण अधिकांशतः गांव विद्युत व्यवस्था से वंचित है। इसके अलावा भी क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की घोर कमी है। क्षेत्र के विकास को लेकर लोग वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं परन्तु इसका सार्थक हल नहीं निकल पा रहा है। ग्रामीणों की परेशानी से अवगत होने के पश्चात चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने लावालौंग प्रखंड के विकास को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है।उन्होंने कहा कि प्रखंड के जिन गांवों में विद्युत पोल और तार खींचे जा चुके हैं उन सभी गांवों में बीस दिनों के भीतर बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।सांसद नें बताया कि संबंधित विभाग को इस दिशा में आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं और कार्य को युद्धस्तर पर पूरा करने की तैयारी है।उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है और इस सोच के साथ क्षेत्र के वंचित गांवों को भी शीघ्र रोशन किया जाएगा।इससे न सिर्फ लोगों का जीवन सुगम होगा,बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में भी सुधार आएगा।आगे उन्होंने बताया कि बगरा मोड़ से लावालौंग होते हुए पांकी तक की मुख्य सड़क के निर्माण कार्य की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। शीघ्र ही इस मार्ग पर निर्माण कार्य प्रारंभ होगा जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।इस दिशा में केंद्र और राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाएं देने को लेकर संकल्पबद्ध है।सांसद की इस घोषणा से स्थानीय जनता में उत्साह देखा जा रहा है। लोगों नें इसके लिए सांसद का आभार जताया है।क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान अब शीघ्र होगा।

सरकार से जनता त्रस्त, उखाड़ फेंकने की करें तैयारीः सुदेश महतो

आजसू पार्टी ने अपना स्थापना दिवस 'बलिदान दिवस' के रूप मनाया

रांचीः आजसू पार्टी ने रविवार को अपना स्थापना दिवस 'बलिदान दिवस' के रूप में मनाया। इस अवसर पर केंद्रीय स्तर पर मुख्य समारोह खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया गया, जिसमें झारखंड के सभी 24 जिलों और 264 प्रखंडों से कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस आयोजन की व्यापक तैयारी पहले से ही की गई थी। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर और पुरुलिया तथा ओडिशा के रायरंगपुर, बारीपाड़ा जैसे इलाकों से भी कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे।

मुख्य समारोह को संबोधित करते हुए आजसू प्रमुख और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि झामुमो ने झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की, जबकि आजसू ने बगैर सत्ता की लालसा के 1986 से 2000 तक लगातार संघर्ष किया। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार न सिर्फ भ्रष्टाचार में लिप्त है, बल्कि यह जनता के अधिकारों की भी डकैती कर रही है। महतो ने कहा कि राज्य की जनता महज छह महीने में ही इस सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि हेमंत सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने की तैयारी करें।

सुदेश महतो ने केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि अब आरक्षण भी जाति के आधार पर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड के निर्माण में बंगाल और ओडिशा के लोगों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह राज्य झारखंड आंदोलन की लंबी लड़ाई का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आजसू ने राज्य के निर्माण के लिए संघर्ष किया और उस संघर्ष को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सम्मान देते हुए झारखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाया। महतो ने कहा कि आजसू अब नए तेवर और नये संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी। राज्य के नवनिर्माण के लिए यह पार्टी प्रतिबद्ध है और इसी लक्ष्य के साथ कार्यकताओं को मैदान में उतरना होगा। कार्यक्रम में गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक निर्मल महतो, लंबोदर महतो, डॉ. देवशरण भगत, राजेंद्र मेहता, निर्मला भगत समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

मादक पदार्थों का नशा नहीं करने की ली शपथ

चतराः सदर थाना परिसर में मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार ने किया। कार्यक्रम में पुलिस पदाधिकारी और जवानों ने मादक पदार्थों का सेवन नहीं करने तथा अन्य लोगों को भी मादक पदार्थों का सेवन रोकने के लिए शपथ ली। थाना प्रभारी ने कहा कि ना तो हम लोग मादक पदार्थों का सेवन करेंगे और ना ही किसी को करने देंगे। इस दौरान उन्होंने मादक पदार्थ चरस, अफीम, तंबाकू आदि के सेवन से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में बताया। इस मौके पर कई पुलिस अधिकारी व जवान मौजूद थे।

झारखंड विधानसभा की सदाचार समिति ने किया चतरा जिला का दौरा

अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक, लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन का निर्देश

चतराः झारखंड विधानसभा की सदाचार समिति शनिवार को चतरा जिला पहुंची। समिति के सभापति रामचंद्र सिंह एवं समिति के सदस्य चंद्रदेव महतो के चतरा परिसदन आगमन पर उपायुक्त कीर्तिश्री और पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने पौधा भेंट कर आभार प्रकट करते हुए उनका स्वागत किया।इसके पश्चात चतरा परिसदन में झारखंड विधानसभा की सदाचार समिति ने जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति रामचंद्र सिंह ने की। अवसर पर समिति के सदस्य चंद्रदेव महतो उपस्थित रहे।बैठक में मुख्य रूप से अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से संबंधित लंबित मामलों की स्थिति, पेंशन से संबंधित प्रकरणों का निष्पादन, जनहितकारी योजनाओं की प्रगति और उनके लाभार्थियों तक पहुंच आदि विषयों पर समीक्षा की गयी। सभापति ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें तथा सभी विभागों द्वारा अद्यतन प्रतिवेदन शीघ्र उपलब्ध कराया जाए।बैठक के दौरान जिले में संचालित प्रमुख विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा की गई। जिसमें पुलिस विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, खाद्य आपूर्ति विभाग, भवन निर्माण एवं पथ निर्माण विभाग, खनन, ग्रामीण विकास विभाग, समाज कल्याण, कल्याण, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, निबंधन विभाग, जिला योजना आदि शामिल रहा। प्रत्येक विभाग द्वारा अपने-अपने योजनाओं की प्रगति, समस्याएँ और समाधानात्मक प्रयासों की जानकारी दी गई।मौके पर सभापति ने कहा कि सदाचार समिति का उद्देश्य जनहित में पारदर्शी, संवेदनशील और समयबद्ध प्रशासनिक कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जन सामान्य की समस्याओं और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गंभीरता और संवेदनशीलता बरती जाए।

बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी उत्तरी राहुल मीणा, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता अरविंद कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी इन्द्र कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा मन्नू कुमार समेत अन्य विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पहली बारिश में ही कीचड़ में तब्दील हुआ स्कूल का मुख्य सड़क, शिक्षा व्यवस्था पर सवाल

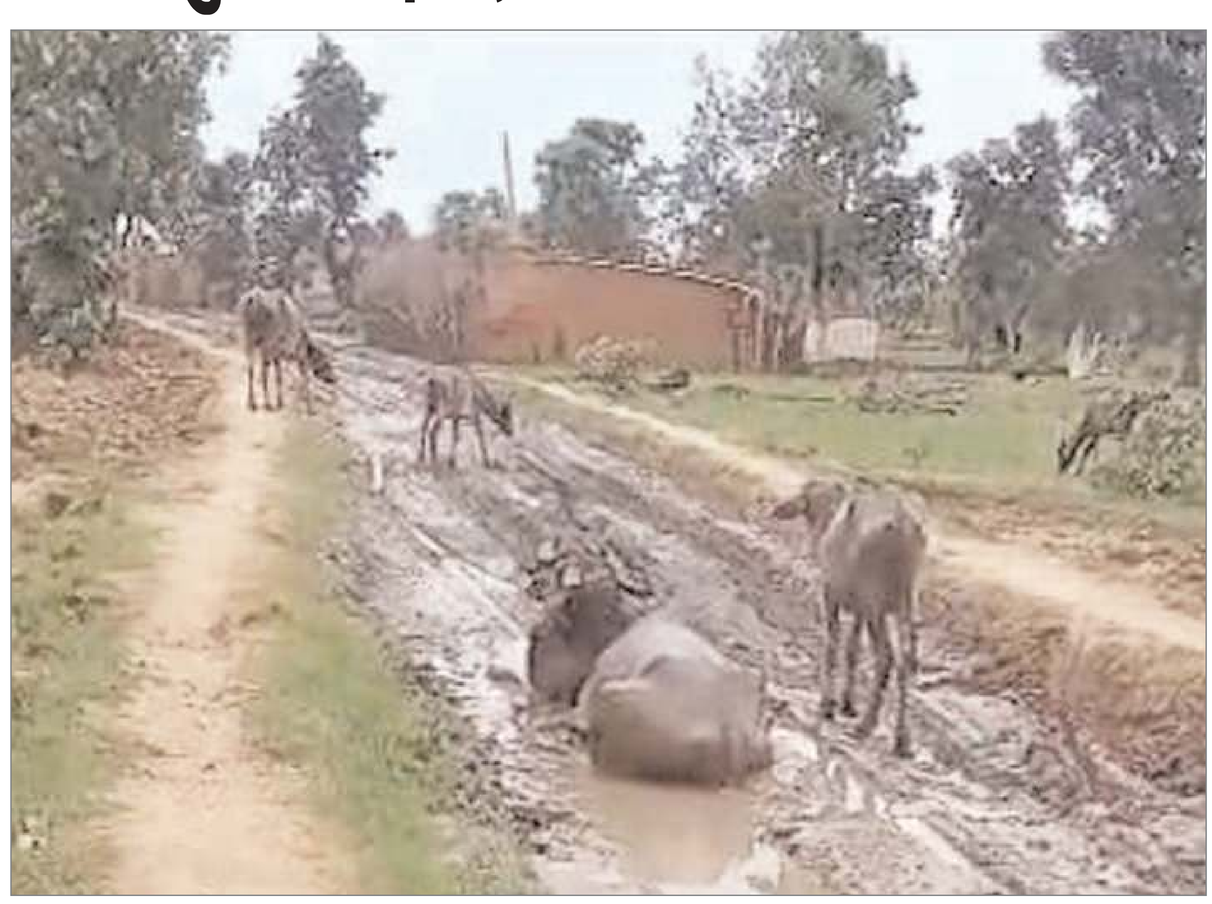

मेट्रो रेज

चतराः बरसात की पहली फुहार ने ही प्रतापपुर प्रखंड के राजपुर स्थित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय की पोल खोल दी है। स्कूल परिसर और मुख्य रास्ता पहली बारिश में ही कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गया है, जिससे स्कूली बच्चों और शिक्षकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति ने शिक्षा व्यवस्था पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्कूल तक पहुंचने वाला रास्ता पूरी तरह से कीचड़ से भर गया है, जिससे नन्हे-मुन्ने बच्चों को हर रोज गंदी सड़कों से होकर स्कूल आना पड़ता है।यह न केवल उनके स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि उनके कपड़ों और किताबों को भी खराब कर रहा है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चे कई बार फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे उन्हें चोट लगने का भी डर बना रहता है।

स्कूली सचिव और अध्यक्ष की बेपरवाही पर गंभीर आरोपः ग्रामीणों और अभिभावकों का आरोप है कि विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव और अध्यक्ष की बेपरवाही के कारण यह स्थिति बनी हुई है। उनकी लापरवाही बच्चों के लिए आए दिन आफत बन सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल परिसर और रास्ते की मरम्मत के लिए कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया।सरकार एक ओर शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर ऐसे विद्यालयों की बदहाली इन दावों पर पानी फेर रही है। स्कूल परिसर में कीचड़ और गंदगी से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। अभिभावकों और ग्रामीणों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी और स्थानीय प्रशासन से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करने और विद्यालय परिसर तथा रास्ते की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित माहौल में शिक्षा मिल सके।

प्रदेश के सभी 264 प्रखंडों में बीजेपी का आक्रोश प्रदर्शन कल: आदित्य साहू

संवाददाता

रांची: कल यानी 24 जून को भाजपा कार्यकर्ता राज्य के सभी 264 प्रखंडों में आक्रोश प्रदर्शन कर प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से उपायुक्त के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ने दी।

आदित्य साहू ने कहा कि हेमंत सरकार पार्ट 2 की कार्यशैली, नीति और नीयत में कोई परिवर्तन नहीं आया है। यह सरकार फिर से राज्य के खजानों, खनिज संपदा को लूटने लुटवाने में लगी है। राज्य के पंचायतों से लेकर सचिवालय तक आकंठ भ्रष्टाचार है। कोई काम बिना पैसे का चढ़ावा चढ़ाए नहीं हो रहा। गरीब जनता अपने छोटे- छोटे काम के लिए दर-दर भटक रही। दलाल बिचौलिए सत्ता में हावी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निकाय चुनाव को लगातार लटकाए रखी है। नियोजन नीति और भाषा विवाद में बेरोजगार युवक ठगे जा रहे। सड़क, बिजली, अस्पताल, दवाई, पढ़ाई सभी व्यवस्था चौपट हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राजधानी रांची सहित सुदूर ग्रामीण क्षेत्र सभी जगह भय व्याप्त है। लूट, हत्या, बलात्कार की घटनाएं आम हो चुकी है। किसानों के धान के

बकाए का भुगतान राज्य सरकार ने लटकाए रखा है। विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन की राशि महीनों से नहीं मिल रही।

साहू ने कहा कि इन सारे हालातों से जनता में आक्रोश है। भाजपा राज्य के जनभावनाओं के साथ खड़ी है। एक सशक्त विपक्ष के नाते पार्टी राज्य में अराजकता, भय और भ्रष्टाचार को चुपचाप नहीं देख सकती। साहू कहा कि भाजपा ने भ्रष्ट और निकम्मी राज्य सरकार को जगाने के लिए सभी प्रखंडों में प्रदर्शन का निर्णय लिया है। लाखों की संख्या में 24 जून को भाजपा कार्यकर्ता आम जन के साथ प्रखंडों में प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी गावां प्रखंड में, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय धनवार, जमुआ प्रखंड में, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा खरसावां, रघुवर दास जमशेदपुर, चंपई सोरेन सरायकेला, प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू कांके, डॉ प्रदीप वर्मा नगड़ी, मनोज कुमार सिंह मेदिनीनगर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी चंदनक्यारी में आक्रोश प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे। साहू ने बताया कि इसके अतिरिक्त अन्य प्रखंडों में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारीगण, सांसद, विधायकगण, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गण, जिलाध्यक्षगण, मोर्चों के पदाधिकारीगण प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

पलामू में टीएसपीसी का 'एरिया कमांडर' गिरफ्तार, 6 विभिन्न मामलों में था वांछित

पलामू: जिले में भाकपा (माओवादी) से अलग हुए धड़े तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) के एक ह्यएरिया कमांडर' को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि माओवादी की पहचान शंभू सिंह (24) के रूप में हुई है। पलामू जिले की पुलिस अधीक्षक (एसपी) रेशमा रमेशन ने बताया कि सिंह को छतरपुर थाना क्षेत्र के पलवल गांव से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह ग्रामीणों से उगाही करने वहां पहुंचा था। उन्होंने बताया कि सिंह 24 अक्टूबर 2024 को छतरपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और टीएसपीसी सदस्यों के बीच हुई मुठभेड़ में शामिल था। रमेशन ने बताया कि सिंह छह विभिन्न मामलों में वांछित है।

रांची विश्वविद्यालय के नए प्रभारी कुलपति बने डॉ डीके सिंह, अधिसूचना जारी

संवाददाता

रांची: नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ डीके सिंह ने रांची विश्वविद्यालय (आरयू) के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण कर लिया है। डॉ सिंह को विश्वविद्यालय के डिप्टी रजिस्ट्रार-1 डॉ। प्रीतम कुमार ने पदभार ग्रहण कराया। विवि प्रशासन की ओर से इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी गई है।

विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे : पदभार ग्रहण करते ही डॉ। डीके सिंह ने स्पष्ट कर दिया कि रांची विश्वविद्यालय में सत्र नियमित करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि रेगुलर और वोकेशनल कोर्स की 70 से 80 प्रतिशत कक्षाएं हर हाल में नियमित रूप से संचालित कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि वह हर कॉलेज में जाकर विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याएं समझेंगे ताकि उनका समाधान प्रभावी ढंग से किया जा सके।

उन्होंने कहा, 'मेरा काम करने का तरीका थोड़ा अलग है। मैं हमेशा संवाद के लिए उपलब्ध हूं। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए मेरे दरवाजे हमेशा खुले हैं। कोई भी, कभी भी, किसी भी समस्या को लेकर मुझसे मिल सकता है।'

डॉ सिंह ने बताया कि वह सप्ताह के तीन दिन रांची विश्वविद्यालय और तीन दिन नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में काम करेंगे। इससे दोनों विश्वविद्यालयों के कामकाज में कोई बाधा नहीं आएगी और संतुलन भी बना रहेगा।

छात्र संघ चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल पर डॉ। सिंह ने कहा कि इस विषय में छात्र संगठनों से बातचीत की जाएगी। उन्होंने कहा कि सत्र की स्थिति और छात्रों के नामांकन के आधार पर इस दिशा में पहल की जाएगी। छात्रों की भागीदारी विश्वविद्यालय की गतिविधियों में बढ़े, इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रभारी कुलपति के पदभार ग्रहण के बाद कई संगठनों और प्रतिनिधिमंडलों ने शिष्टाचार मुलाकात की। वोकेशनल टीचर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अटल पांडेय और अवधेश ठाकुर ने डॉ सिंह को बधाई दी और विवि की चुनौतियों पर चर्चा की।

अबुआ अधिकार मंच के संयोजक अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भी कुलपति से मुलाकात की। इस मौके पर डॉ सिंह ने कहा कि वे विद्यार्थियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। उनका उद्देश्य विश्वविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक पारदर्शिता और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना है।

जेएमएम छात्र मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने भी अमन कुमार तिवारी और असद फराज के नेतृत्व में कुलपति से मुलाकात की और शिक्षकों की कमी समेत कई मूलभूत समस्याएं उनके समक्ष रखीं। इस पर कुलपति ने भरोसा दिलाया कि जल्द से जल्द समस्याओं के निराकरण की दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

सैयद सरवर चिश्ती को राष्ट्रीय वक़्फ योद्धा अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के के विभिन्न संगठनों ने लहू बोलेगा रक्तदान संगठन की अगुवाई में ख़्वाजा गरीब नवाज अजमेर शरीफ दरगाह के गद्दी नशीन सैयद सरवर चिश्ती साहब को राष्ट्रीय वक़्फ योद्धा अवार्ड से सम्मानित किया गया।

मौके पर झारखंड वक़्फ योद्धा अवॉर्ड से तीन लोगों को सम्मानित किया गया जिसमें हिदातुल्लाह खान, मंजूर अंसारी, व रियाज शरीफ शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदातुल्लाह खान ने किया एवं कार्यक्रम का संचालन लहू बोलेगा के नदीम खान ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मस्जिद-ए-जफरि या के मौलाना तहजीबुल हसन रिजवी ने किया।

मुख्य अथिति सैयद सरवर चिश्ती ने कहा कि मुझे नवाजने एवं इस कार्यक्रम के सामाजिक कार्यकर्ता, उल्लेमा व बुद्धिजीवियों से मुलाकात बेहद सराहनीय और भावनात्मक है। उन्होंने कहा कि

लहू बोलेगा समाज हित में बेहतरीन कार्य कर रहा है। मैं अपनी जवानी में नियमित रक्तदाता रहा हूँ। नौजवानों से मैं अपील करता हूँ कि आप जरूरत रक्तदान-महादान करें।

केंद्रीय वक़्फ संशोधन कानून पर लड़ाई जारी रहेगी जब तक कि जनविरोधी-सांप्रदायिक कानून वापस नही जाता है।

कार्यक्रम में मंजूर अंसारी, मौलाना तहजीबुल हसन, काजी मसूद फरीदी, मुफ़्ती अब्दुल्ला अजहर, अफजल अनीस, एस अली, शाहनवाज अख़्तर, पत्रकार शहरोज कमर, समीउल्लाह असदकी, मौलाना नसीम नदवी, मो सऊद, मो मुन्ना, मंसूर चिश्ती, मेराज चिश्ती, मो तौहिद, नदीम खान, तनवीर अहमद, नेहाल अहमद, खालिद खलील, मो आफताब, साजिद उमर, शाहनवाज अब्बास, मो फहीम, नैय्यर सहाबी, मुन्नवर भुट्टो, मो बब्बर, असफर खान, औरंगजेब खान, मो जाहिद, मो फिरोज, मो आरसी, हसनैन जैदी, तारिक मुजीबी, बुलंद अख़्तर, शौकत अंसारी, मो शमीम, व मो काबिल शामिल थे।

नेतरहाट समेत चार आवासीय विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया शुरू

जैक द्वारा लिए जा रहे हैं ऑन लाइन आवेदन आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 जुलाई

रांची : नेतरहा। आवासीय विद्यालय समेत झारखंड के 4 आवासीय विद्यालयों में नामांकन प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गयी है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा ऑनलाइन आवेदन लिये जा रहे हैं। विद्यार्थी झारखंड एकेडमिक काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 जुलाई 2025 है।

जैक द्वारा इंदिरा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हजारीबाग, नेतरहा। आवासीय विद्यालय और इन दोनों विद्यालयों की तर्ज पर दुमका व चाईबासा में संचालित विद्यालयों में नामांकन के लिए आवेदन लिया जा रहा है। विद्यार्थियों को ऑनलाइन जमा फॉर्म का प्रिंट निकालकर इसे संबंधित स्कूल के प्रधानाध्यापक से सत्यापित कराना होगा। इसके बाद आवेदन संबंधित जिला के जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में जमा होगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में 3 जुलाई तक आवेदन जमा होंगे।

अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक दिवस आज, होंगी प्रतियोगिताएं

रांची: विश्व ओलिंपिक दिवस 23 जून को मनाया जायेगा। पूरे राज्य भर में आज जगह-जगह प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें क्रॉस कंट्री, साइक्लिंग, कबड्डी और फुटबॉल शामिल है। इस आयोजन में हिस्सा लेने के लिए खेल सचिव, खेल निदेशक, सांसद व विधायक को आमंत्रित किया गया है। क्रॉस कंट्री सुबह छह बजे शुरू होगा। वहीं, साइक्लिंग सुबह सात बजे शुरू होगी। आठ बजे मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम के पूर्व ओलिंपियन सिल्वानुस डुंगडुंग व मनोहर टोपनो कबड्डी इंडोर हॉल में कबड्डी व कचहरी रोड स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम में सुबह नौ बजे फुटबॉल का आयोजन किया जायेगा। जिलों के ओलिंपिक, अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित किया जायेगा।

बदला मौसम का मिजाज

रांची सहित कई जिलों में हुई बारिश, आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट

रांची: झारखंड में साइक्लोन और निम्न दबाव क्षेत्र की सक्रियता के कारण मानसून पूरी तरह हावी है। राजधानी रांची सहित प्रदेश के कई जिलों में दोपहर बाद मौसम बदल गया। हवा के साथ तेज बारिश हुई। राजधानी रांची में रविवार को भी जम कर बारिश हुई। इस बारिश की वजह से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कई जगहों पर बाढ़ जैसी स्थिति बन गयी। कुछ ही घंटों की बारिश में कई नदियां उफान पर आ गयी।

मौसम विभाग के अनुसार 24 जून के बाद राज्यभर में भारी से भारी बारिश होगी। 24 से 27 जून तक राज्यभर में भारी बारिश की संभावना है।

जलमग्न की स्थिति से निजात दिलाए प्रशासन : सुफल महतो

मुरी: राहे धोबी टोला में जलमग्न की स्थिति से आम जनता घर में रहने की स्थिति में नहीं है,घर के अन्दर तक पानी भर गया है। ग्रामीणो ने पूर्व में ही इस स्थिति की जानकारी प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को दे चुके हैं, बावजूद प्रशासन एवं जनप्रतिनिधि मुकदर्शक बने हुए हैं । झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सह माकपा झारखंड राज्य सचिव मंडल सदस्य सुफल महतो ने जलमग्न स्थिति का दौरा कर कहा राहे धोबी टोला में जलमग्न की स्थिति से प्रशासन एवं सरकार त्वरित हस्तक्षेप करे वर्ना किसान सभा एवं माकपा उक्त मुद्दों पर आन्दोलन के लिए विवस होगी। प्रशासन एवं जन-प्रतिनिधियों का मुकदर्शक बना रहना चिंता का विषय है।

एनके एरिया के अध्यक्ष डीपी सिंह व गोल्टेन प्रसाद यादव बने सचिव

खलारी: एनके एरिया के ट्रेड यूनियन जनता मजदूर संघ ने नव गठित कमेटी में डीपी सिंह अध्यक्ष और गोल्टेन प्रसाद यादव सचिव बनाये गये हैं.ट्रेड यूनियन के भीतर चल रहे विवाद के बावजूद संगठन ने एनके एरिया कमेटी की घोषणा कर दी है. सदस्यीय कमेटी में सेतुबांध सिंह, बुटन चौहान, संजय कुमार सिंह, मनोज नाथ शाहदेव, गुल्फी देवी, अजय चौहान उपाध्यक्ष, टुपा महतो, आनंद कुमार सिंह संयुक्त सचिव, चंदन कुमार सिन्हा,मंतोष कुमार सिंह, आनंद पांडेय, रवीं उरांव, धनंजय भारती, बिरेन पासवान सहायक सचिव, अमिताभ चौहान संगठन सचिव, कन्हाई गंझ, नवी मियाँ सहायक संगठन सचिव, ओमप्रकाश शर्मा कोषाध्यक्ष और इलियास मुंडा, प्रभुगंझू, चंद्रा गौड़, आशादीप एक्का,रामेश्वर उरांव, सुधीर कुमार चौहान,तपेश्वर कुमार यादव, संजय कुमार,शिवरतन विश्वकर्मा, अनिल कुमार लोहरा, अमन कुमार, संजय कुमार,राणा गंझ, विरजू लोहार, हरजिंद्र कौर,गणेश ठाकुर शर्मा, कंचन महतो, दीपकराय, अरजुन ठाकुर, प्रकाश कुमार महतो, विकास कुशवाहा, विकासकुमार, विजय प्रताप सिंह, रजनी कुमारी, इशान गंझू को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है. नयी कमेटी की सूची रविवार को प्रबंधन को सौंप दिया गया है।

अनुकरणीय है गांव के प्रति शैलेन्द्र कुमार का समर्पण

कहते हैं भारत की आत्मा गांवों में बसती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किए बिना स्वस्थ और समृद्ध समाज निर्माण संभव नहीं है।

गांव के सर्वांगीण विकास में सामूहिक सहभागिता जरूरी है।

इसी सोच के साथ तकरीबन चार-पांच दशक पूर्व गांव की सुरक्षा,संस्कृति व गौरवशाली परंपराओं के संरक्षण-संवर्द्धन के उद्देश्य से पटना जिलांतर्गत बख्तियारपुर प्रखंड के गांव करनौती में शैलेन्द्र कुमार (भुन्नी सिंह) ने ग्राम विकास समिति का गठन किया। समिति का अध्यक्ष तत्कालीन मुखिया व क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी रामसागर सिंह को बनाया गया।

भुन्नी सिंह ने समिति के संयोजक के रूप में बखूबी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए गांव के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करना शुरू किया। समिति का कार्य मुख्य रूप से फसल सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में बढ़कर सहभागिता निभाना रहा।

भुन्नी सिंह बताते हैं कि उन दिनों सही मायने में जमीन सोना उगलती थी। रासायनिक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग नाममात्र का हुआ करता था। पैदावार खूब होती थी। खेत-खलिहान में फसलों की सुरक्षा ग्राम वासियों की प्राथमिकता में शुमार था। खेत में फसल की बुवाई से लेकर कटाई तक की अवधि में ग्रामवासी रात-रात भर जाग कर फसलों की सुरक्षा किया करते थे। समिति से जुड़े लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति के लोग नियमित रूप से टॉर्च व लाठी-डंडे लेकर रात्रि गश्त किया करते थे। फसल के साथ-साथ सिंचाई के लिए लगाए गए बोरिंग व पंपिंग सेटों की सुरक्षा भी काफी चुनौती पूर्ण होती थी। उन दिनों फसल चोरों का आतंक चरम पर था। इसकी रोकथाम के लिए ग्रामवासी रतजगा जगह किया करते थे।

भुन्नी सिंह बताते हैं कि ग्राम विकास समिति में तत्कालीन उप मुखिया स्व। जुगेश्वर सिंह, प्रगतिशील किसान स्व.नागेश्वर सिंह, स्व। कृष्णनंदन सिंह, स्व.कामता सिंह, स्व.बंगाली राम, स्व.भत्तू सिंह, स्व.धर्मनाथ सिंह, रमेश सिंह सहित अन्य ग्रामीण शामिल थे।

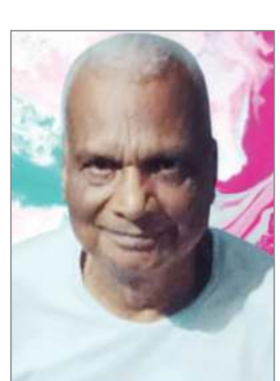

फसल सुरक्षा और सामाजिक कार्यों में बढ़कर सहभागिता निभाना समिति व अन्य ग्रामीणों की दिनचर्या में शुमार था। सुरक्षा के दृष्टिकोण से ग्राम विकास समिति के पदधारियों व सदस्यों की ऐसी सक्रियता होती थी, कि परिंदा भी पर नहीं मार सकता था। शादी-विवाह व अन्य समारोह पर सामाजिक समरसता व सामूहिक सहभागिता भी देखने लायक होती थी। विभिन्न धार्मिक-सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजनों पर पूरा गांव एक परिवार की तरह दिखता था।

कालांतर में भुन्नी सिंह सरकारी सेवा में चले गए, लेकिन

शख्सियत

जब भी छुट्टियों में गांव आते, तो सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाते रहे।

समय के साथ-साथ धीरे-धीरे ग्रामीण परिवेश भी बदलता गया। जीवन जीने की जद्दोजहद और तेजी से बदलती जीवन शैली ने ग्रामीण परिवेश को भी प्रभावित किया है।

भले ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हुई,लेकिन अब गांवों में सामाजिक समरसता का अभाव दिखने लगा है।

श्री सिंह का मानना है कि समाज को दुर्जनों की सक्रियता से उतना नुकसान नहीं पहुंचता है, जितना की सज्जनों की निष्क्रियता से।

वह कहते हैं कि गांव के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और पारदर्शिता से ग्रामीण विकास को गति मिलती है। ग्रामीण विकास की योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से सर्वांगीण विकास का सपना साकार होता है।

श्री सिंह कहते हैं कि गांव हमारी जड़ों की जगह है, जहां से हमारी संस्कृति और परंपरा की शुरूआत होती है। गांव के प्रति समर्पण से हम न केवल अपने समाज को मजबूत बना सकते हैं, बल्कि अपने देश के विकास में भी योगदान कर सकते हैं।

गांव की समस्याओं को समझना और उसके समाधान की दिशा में प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। गांव के लोगों के साथ सहयोग और सहानुभूति के साथ व्यवहार करने की जरूरत है।

गांव की संस्कृति और परंपरा को संरक्षित और बढ़ावा देना जरूरी है।

आइए, हम गांव के प्रति समर्पण के साथ काम करें और अपने समाज को मजबूत और समृद्ध बनाएं। गांवों में शिक्षा की उपलब्धता और गुणवत्ता में सुधार के प्रति हमें सजग रहना चाहिए। स्वास्थ्य, स्वच्छता, और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण का संदेश संप्रेषित करने में भी गांव की महत्वपूर्ण भूमिका है। गांव की हरियाली हमारे जीवन में खुशहाली लाती है।

- गांवों में स्वच्छता और साफ-सफाई की व्यवस्था करना
- गांवों में कृषि विकास के लिए नई तकनीकों और संसाधनों का उपयोग करना
- गांवों में ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देना और रोजगार के अवसर पैदा करना
- गांवों में सड़क और परिवहन की सुविधा में सुधार करना
- बिजली और पानी की आपूर्ति में सुधार करना
- गांवों में सामाजिक समरसता और एकता को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का संरक्षण और बढ़ावा देना,
- गांवों में प्रशासनिक सुधार और पारदर्शिता लाना, सामुदायिक भागीदारी और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार करना आदि तत्वों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, तभी गांवों के सर्वांगीण विकास का सपना साकार हो सकता है। भारत की आत्मा सुरक्षित रह सकती है।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

जवाबदेही है जरूरी

चुनाव आयोग ने कहा है कि मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज सार्वजनिक करना सही नहीं है। इससे मतदाताओं या समूहों की पहचान करना आसान हो जाएगा। मत देने या मत न देने वाला, दोनों ही असामाजिक तत्वों के दबाव, भेदभाव या धमकी का शिकार हो सकते हैं। यह मतदाताओं की सुरक्षा, गोपनीयता व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950- 51 में निर्धारित कानूनी प्रावधानों व सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शों का उल्लंघन होगा। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दिए जवाब में आयोग ने यह कहा जिसमें चुनाव धांधली के आरोपों के बाद सीसीटीवी फुटेज की मांग की गई थी। इससे पहले गांधी ने सोशल माड़िया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वोटर लिस्ट? मशीन रीडेब्रल फार्मेट नहीं देंगे, सीसीटीवी फुटेज? कानून बदल कर छिपा दी। आगे उन्होंने लिखा- साफ दिख रहा है,मैच फिक्स है और फिक्स किया गया चुनाव, लोकतंत्र के लिए जहर है। दरअसल, आयोग के अनुसार, चुनाव के दौरान ली गई तस्वीरें, वीडियो व बेवकास्टिंग सिर्फ पैंतालीस दिन तक सुरक्षित रखी जाएंगी। किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव नतीजों को अदालत में चुनौती नहीं दी जाती तो पैंतालीस दिन बाद यह डाटा नष्ट कर दिया जाएगा। कांग्रेस इसका शुरू से ही दोहरा रही है कि यह डाटा साल भर तक सुरक्षित रखा जाता था। कांग्रेस इसे चुनाव आयोग व मोदी सरकार की मिली- भगत ठहराते हुए लोक तांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की साजिश बता रही है। बेशक, आयोग के तर्क अपनी जगह उचित हैं मगर उसे सरकार के दबाव में आए बगैर अपनी स्वायत्तता का ख्याल रखना चाहिए। विपक्षी दलों की दलीलें सुनना उसका जिम्मा है। आशंकाओं व चिंताओं को मिटाने के प्रति उसे जवाबदेह भी होना होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न केवल विपक्षी राजनीतिक दल,बल्कि स्वयं मतदाता भी अपनी जिज्ञासाएं रखने को स्वतंत्र है। मतदाताओं की सुरक्षा व गोपनीयता निश्चित रूप से बेहद जरूरी हैं। मगर अपने उम्मीदवार के पक्ष-विपक्ष या धांधली के आरोपों की पुष्टि कराना भी दलों का जिम्मा है। अव्वल तो गांधी को बगैर सबूतों के इतने गंभीर आरोप लगाने से बचना चाहिए परंतु आयोग को भी उनकी आशंकाएं मिटाने का भरपूर प्रयास करना होगा। पैंतालीस दिन किसी भी आशंका या आरोप के लिए कम नहीं कहे जा सकते। आयोग को वरिष्ठ पदाधिकारियों को बुला कर अति सुरक्षित व गोपनीय व्यवस्था में विवादित फुटेज दिखाने का प्रावधान भी जोड़ऩा होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही अति आवश्यक है।

निजी जानकारी पर खतरा

कंपनी ही क्या जिसके डेट्राबेस तक साइबर अपराधियों की खुली पहुंच हो जाए। गूगल, फेसबुक और एप्पल सहित तमाम कंपनियों ने अपनी लापरवाही से आपकी सारी निजी जानकारी गलत हाथों में पड़ जाने का खतरा पैदा कर दिया है। अपराधी इसका कैसा इस्तेमाल करेंगे और उसका आपके जीवन पर कैसा असर होगा यह सोच कर ही रूह कांप जाती है। कल तक जो आशंका मात्र थी वह अब भयावह सच में बदलने जा रही है। साइबर सुरक्षा संस्थान साइबर न्यूज का कहना है कि अरबों की संख्या में लॉग.इन क्रेडेंशियल' लीक होने के बाद ऑनलाइन डेटासेट में संकलित हो गए हैं, जिससे अपराधियों को उपयोगकर्ताओं के खातों तक पहुंच मिल गई है। इससे न बैंक खाते सुरक्षित रहेंगे और न आपकी अन्य निजी जानकारियां जैसे चिकित्सकीय ब्योरे इत्यादि। हर वह खाता खतरे में है जिसे आप कंप्यूटर या मोबाइल पर किसी काम के लिदए बनाते हैं। आपके ईमेल के जरिए किए गए संवाद व पत्र व्यवहार अपराधियों की जद में होंगे। आपकी ऑनलाइन खरीद, रुचियां औरअन्य कार्य अपराधियों की जानकारी में होंगे। वे आपको धमका सकते हैं, ब्लैकमेल कर सकते हैं। यहां तक कि आपको आत्मघाती कदम उठाने पर भी मजबूर कर सकते हैं। साइबरन्यूज शोधकर्ताओं ने 30 डेटासेट का पता लगा है। जिनमें से प्रत्येक में बड़ी संख्या में लॉग.इन जानकारी दी गई है। कुल मिला कर 16 अरब से अधिक लॉगइ्रइन जानकारियां लीक हुई हैं, जिनमें गूगल, फेसबुक और एप्पल समेत कई लोकप्रिय प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं के पासवर्ड. शामिल हैं। इतनी लाग.इन जानकारियां लीक हो चुकी हैं, जो दुनिया की आबादी के दो गुने से भी ज्यादा हैं। इसका मतलब हुआ किप्रभावित उपभोक्ताओं के एक से अधिक खातों की जानकारी लीक हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि लॉग.इन जानकारी लीक होने की सूचना किसी एक स्त्रोत से नहीं आई है यानी ऐसा नहीं है कि किसी एक कंपनी को निशाना बना कर जानकारी लीक गई हो। लगता है कि अलग-अलग समय पर ड़ेटा चुराया गया और इकट्ठा लीक किया गया। साइबरन्यूज का कहना है कि कई तरह के इंफोस्टीलर्स' इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। इंफोस्टीलर' ऐसा सॉफ्टवेयर होता है जो पीड़ित के ड़िवाइस या सिस्टम में सेंध लगा कर संवेदनशील जानकारी चुरा लेता है। इस हरकत के लिए किसी भी प्लेटफार्म को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

तेजी से बढ़ता भारत का एआई बाजार

भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के साथ सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। भारत की नई पीढ़ी के लिए देश ही नहीं, दुनिया में एआई से जुड़ी नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) सम्मेलन 2025 के तहत प्रकाशित रिपोर्ट भविष्य की नौकरियों में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई एआई नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है, जिसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव इन परिवर्तनों के कारण नई हाई स्किल्ड एआई नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनिया भर में उद्योगों और व्यवसायों को नया रूप मिलता हुआ दिखाई देगा।

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 11 जून को बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बाजार 2027 तक 3 गुना से ज्यादा बढकर 17 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है। भारत में एआई में बढ़ता निवेश, स्टार्टअप्स की लहर, डिजिटल तंत्र और दमदार प्रतिभा आधार एआई बाजार की रफ्तार को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसे में भारत का एआई बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते एआई बाजारों में रेखांकित हो रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि दुनिया का 16 फीसदी एआई टैलेंट भारत के पास है और भारत अमरीका के बाद दूसरे स्थान पर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अभी 6 लाख से अधिक एआई प्रोफेशनल्स हैं। इनकी संख्या वर्ष 2027 तक तेजी से बढकर 12.5 लाख पर पहुंच जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों के उद्योग-कारोबार स्थानीय चुनौतियों को हल करने, नवाचार को बढ़ाने और प्रतिस्पर्धा लाभ बढ़ाने के लिए एआई तेजी से अपना रहे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि बढ़ती हुई वैश्विक औद्योगिक और कारोबारी चुनौतियों के बीच एआई विकल्प नहीं बल्कि जरूरत बन गया है। ऐसे में भारतीय कंपनियां परंपरागत विकास की डगर को पार करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एआई का उपयोग लगातार बढ़ा रही हैं। यही कारण है कि इन दिनों एआई विषय पर प्रकाशित हो रही विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि जहां भारत में तेज आर्थिक विकास में एआई की भूमिका प्रभावी हो गई है, वहीं भारतीय एआई पेशेवरों की जरूरत देश और दुनिया में तेजी से बढ़ रही है।

हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनमिक ग्रोथ नई दिल्ली में कहा कि एआई को अपनाने वाले उद्योग भारत को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के मुताबिक 2028 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इसी तरह केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी भारत की एआई क्रांति : विकसित भारत के लिए एक रोडमैप नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2047 तक भारत को 23.25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाए जाने के लक्ष्य के मद्देनजर एआई पेशेवरों की अहम भूमिका होगी। गौरतलब है कि गूगल की एआई अवसर एजेंडा नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, तकनीकी प्रतिभा और जीवंत स्टार्टअप ईकोसिस्टम के चलते भारत एआई से लाभान्वित होने की बेहतर स्थिति में है। भारत में एआई प्रौद्योगिकी को अपनाए जाने से उत्पादकता में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। अब उद्योग, कृषि, स्वास्थ्य, सर्विस सेक्टर तथा अन्य क्षेत्रों में एआई के अधिक उपयोग से भारत को 2030 तक 33.8 लाख करोड़ का आर्थिक लाभ हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई के प्रति एक व्यापक और जिम्मेदार दृष्टिकोण भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति को संभव बना सकता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस में फरवरी 2025 में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेस (एआई) एक्शन शिखर सम्मेलन 2025 की सह अध्यक्षता करते हुए कहा है कि यद्यपि दुनिया में यह आशंका है कि एआई की वजह से नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन इतिहास गवाह है कि प्रौद्योगिकी के कारण नौकरियां खत्म नहीं होती, बल्कि उसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां सृजित होती हैं। इसलिए हमें एआई संचालित भविष्य के लिए अपने लोगों को हाईस्किल्ड बनाते हुए नए काम के तरीकों के लिए उन्हें तैयार करने में निवेश करने की जरूरत है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत की नई पीढ़ी डिजिटल दौर के एआई कामों में लगातार अपना योगदान बढ़ा रही है। ओपन एआई के सीईओ सैम आल्टमैन के मुताबिक एआई के लिए दुनिया में भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई के मुताबिक भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के मुताबिक भारत की गणित में दक्ष नई पीढ़ी के लिए एआई के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इस समय जहां भारत की प्रतिभा संपन्न एआई से सुसज्जित नई पीढ़ी भारत के विकास में बड़ा योगदान दे रही है, वहीं भारत के टैलेंट का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। भारत के प्रोफेशनल दुनिया की बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल ग्लोब में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं।

भारत की एआई हाईस्किल्ड नई पीढ़ी सेवा निर्यात (सर्विस एक्सपोर्ट) से विदेशी मुद्रा की बड़ी कमाई करने वाली आर्थिक शक्ति के रूप में भी उभरकर दिखाई दे रही है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एआई हाईस्किल्ड मैनपावर के सरल और किफायती रूप से उपलब्ध होने के कारण भारत में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) की तेजी से नई स्थापनाओं के साथ सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। भारत की नई पीढ़ी के लिए देश ही नहीं, दुनिया में एआई से जुड़ी नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) सम्मेलन 2025 के तहत प्रकाशित रिपोर्ट भविष्य की नौकरियों में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई एआई नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परंपरागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है, जिसके परिणामस्वरूप 7.8 करोड़ अधिक नई नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी उन्नति, जनसांख्यिकीय बदलाव, भू-आर्थिक तनाव और आर्थिक दबाव इन परिवर्तनों के कारण नई हाई स्किल्ड एआई नौकरियों को रफ्तार मिलेगी और इससे दुनिया भर में उद्योगों और व्यवसायों को नया रूप मिलता हुआ दिखाई देगा। ऐसे में सबसे तेजी से बढ़ती जिन नौकरियों की भूमिकाएं होंगी, उनमें प्रमुखतया एआई बड़े डेटा विशेषज्ञ, मशीन लर्निंग विशेषज्ञ और साइबर सुरक्षा प्रबंधन विशेषज्ञ शामिल हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि जहां देश एआई मिशन के तहत एआई हाईस्किल्ड मेनपॉवर के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहा है, वहीं एक फरवरी को प्रस्तुत वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में देश के युवाओं को हाईस्किल्ड बनाने और भारत को वैश्विक कौशल केंद्र बनाने की दिशा में सरकार ने बड़े कदम उठाए हैं। एआई से जुड़ी हुई तीन नई कौशल विकास योजनाएं तेजी से कार्यान्वित हो रही हैं। इसमें कोई दोमत नहीं हैं कि अब तक भारत में उत्पादकता उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है जितनी तेजी से विकास की महत्वाकांक्षा है। इस प्रवृत्ति को बदलने के लिए, उन क्षेत्रों की पहचान करने का प्रयास किया गया है जहां सरकार और निजी क्षेत्र दोनों द्वारा धन के उपयुक्त निवेश से एआई का उपयोग किया जा सके।

क्या ईरान के बाद पाकिस्तान भी लपेटे में आएगा?

संभव है कि इस काम में अमेरिका में पाकिस्तान की मदद भी मांगे, जिससे मुकरना पाक के लिए बहुत कठिन है। अगर ईरान में अमेरिका समर्थक सरकार कायम हो गई तो अगला लक्ष्य पाकिस्तान ही होगा, जिसके पास परमाणु बम हैं और वो जब तब भारत को इसकी धमकी देता रहता है। पाक के पास 170 परमाणु बम हैं, जबकि ईरान तो इसे बनाने की कोशिश में ही मारा गया। हालांकि भारत ने भी ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर पाक को उसकी औकात बता दी है। लेकिन खतरा अभी भी बदस्तूर है कि पाक का परमाणु कभी भी उन आतंकियों के हाथ में जा सकता है, जिन्हें ईरान की तरह उसने पाल

अजय बोकिल

ईरान को परमाणु ताकत बनने से रोकने के लिए ईरान व इस्राइल के बीच जारी भीषण जंग के बीच यह दूर की कौड़ी लग सकती है, लेकिन असंभव नहीं है। हालात जिस दिशा में मोड़ ले रहे हैं, उससे लगता है कि आने वाले समय में पाकिस्तान भी इस्राइल के निशाने पर आ सकता है। इसका कारण है पाकिस्तान परमाणु अस्त्र सम्पन्न देश होना, पाक सरकार द्वारा परमाणु अप्रसार संधि पर दस्तखत न करना, परमाणु अस्त्रों के प्रथम प्रयोग न करने का ऐलान न करना तथा पाकिस्तान द्वारा इस्लामिक कट्टरपंथियों को खुले आम समर्थन देना, जो सारी दुनिया के लिए खतरा बने हुए हैं।

पाकिस्तान और भारत सहित दुनिया के उन नौ देशों में शुमार है, जिनके पास परमाणु ताकत है और परमाणु अस्त्र भी हैं। पाकिस्तान ने जब भारत की प्रतिस्पर्द्धा में परमाणु विस्फोट कर खुद को एटमी ताकत घोषित किया तब सबसे ज्यादा खुशी ईरान जैसे उन इस्लामिक देशों को हुई, जो खुद भी एटम बम बनाने की कोशिश में लंबे समय से लगे हुए थे इस प्रौद्योगिकी में यूरोपीय देशों का एकाधिकार तोड़ना चाहते थे।

इस्राइल हमेशा से इसे अपने अस्तित्व पर खतरा मानता आया है और उसके ईरान की ऐसी कोशिशों को ध्वस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उधर पाक का एटम बम बनाने वाले परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कादिर खान थे, जो कभी भोपाल से ही पाकिस्तान गए थे। उन्हें पश्चिमी देशों ने परमाणु जिहादी कहा। हालांकि बाद में कादरी की भी पाक में बेकदरी हुई, वो अलग बात है।

पाकिस्तान द्वारा नीदरलैंड से चुराई तकनीक के जरिए जो परमाणु विस्फोट किया गया, उसे अमेरिका व पश्चिमी देशों ने इस्लामिक बम का नाम दिया, क्योंकि यह दुनिया के ज्यादातर मुस्लिम देशों की परमाणु शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता था। परमाणु बम की ताकत ने ही पाकिस्तान में मुस्लिम देशों का चौधरी बनने की हसरत जगाई। इस बीच ईरान भी परमाणु शक्ति बनने की पूरी कोशिश कर रहा था, जो अमेरिका, इस्राइल और अन्य पश्चिमी देशों को कतई मंजूर नहीं था। इसके पीछे डर इस बात का है कि ईरान ने कट्टरपंथी इस्लाम को निर्यात करने तथा उसे पोसने के लिए तीन बड़े कट्टरपंथी संगठन खड़े किए और उन्हें शक्ति सम्पन्न बनाया। ये कई देशों की सत्ता के लिए खतरा बन गए। यह आशंका गहराने लगी कि कहीं ईरान परमाणु ताकत बन गया तो एटम बम जैसा महाविनाशक हथियार आतंकियों के हाथ लग सकता है। अगर ऐसा हुआ तो उसका गैर जिम्मेदाराना तरीके से क्षुद्र स्वार्थों के लिए दुरूपयोग हो सकता है। इस बात की पक्की गारंटी नहीं है कि पाक का परमाणु कार्यक्रम व हथियार पूरी तरह सुरक्षित हाथों में हैं। इसीलिए अमेरिका और इस्राइल ईरान को भी तहस नहस कर दे रहे हैं कि वो परमाणु शक्ति के गलत उपयोग न करने की गारंटी नहीं दे रहा। हालांकि यह एकतरफा दादागिरी भी है।

वैसे ईरान और पाकिस्तान मुस्लिम देश होने के बाद भी दोनो में बहुत ज्यादा भाई चारा नहीं रहा, क्योंकि ईरान शिया मुसलमान बहुल देश है और पाकिस्तान सुन्नी बहुल। ईरान में सुन्नी और पाकिस्तान में शिया अल्पसंख्यक घोषित हैं और भेदभाव के शिकार हैं। लेकिन अब अचानक पाकिस्तान और ईरान के बीच भाईचारा बढ़ गया है तो इसका कारण शेर का अंदेशा है। पाक नेताओं ने कहा कि ईरान हमारा मुस्लिम भाई है। इस युद्ध में हम उसकी पूरी तरह मदद करेंगे। गाजा बवाल तब मचा जब सोशल मीडिया पर ईरानी सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी जनरल रेजाई का बयान वायरल हुआ, जिसमे उन्होंने कहा कि अगर इस्राइल ने ईरान पर एटम बम डाला तो बदले में पाकिस्तान इस्राइल पर परमाणु हमला कर देगा।

इसके पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा एक इंटरव्यू में सार्वजनिक रूप से कसम खाई थी कि वो ईरान और पाकिस्तान के परमाणु बमों को तबाह करके रहेंगे। उन्होंने कहा था कि हमारा सबसे बड़ा मिशन उग्रवादी इस्लामी शासन को परमाणु हथियार पाने से रोकना है। परमाणु हथियार इन आतंकी शासन के हाथों में नहीं जाना चाहिए। चाहे वो ईरान हो या फिर पाकिस्तान। इन कट्टरपंथियों के पास परमाणु हथियार होंगे तो डर है कि वो इनसे जुड़े नियमों का पालन नहीं करेंगे।' जनरल मोहसिन रेजाई के बयान के बाद पाकिस्तान के हाथ पैर फूल गए और उसने अधिकृत तौर पर कहा कि पाकिस्तान का एटम बम स्वदेश की रक्षा के लिए है, किसी और पर डालने के लिए नहीं है।

हमने कभी भी इस्राइल पर एटम बम डालने की धमकी नहीं दी। पाकिस्तान के इस यू टर्न को ईरान की हरतरह से मदद के वादे के खिलाफ माना जा रहा है। यही नहीं उसने ईरान के साथ अपनी सीमा भी बंद कर दी है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि जनरल रेजाई का यह बयान कब का है।

वैसे पाकिस्तान फिलीस्तीनियों को अपने नैतिक समर्थन के चलते इस्राइल से दूरी बनाता आया है। उसके इस्राइल के साथ कूटनीतिक रिश्ते भी नहीं हैं। फिलिस्तीनियों को भी पाकिस्तान का समर्थन मुख्य रूप से इसलिए है, क्योंकि वो मुसलमान हैं। अब पाकिस्तान को डर यह है कि अगर ईरान एपीसोड खत्म हो गया तो आगे क्या होगा? संभव है कि ईरान या तो दबाव में अमेरिका के साथ परमाणु डील पर दस्तखत कर दे या फिर अमेरिका और इस्राइल मिलकर ईरान में कट्टरपंथी खोमेनेई सरकार का तख्ता पलट दें। यद्यपि यह बहुत आसान नहीं है।

यह इस बात पर निर्भर है कि ईरानी जनता क्या चाहती है? संभव है कि इस काम में अमेरिका में पाकिस्तान की मदद भी मांगे, जिससे मुकरना पाक के लिए बहुत कठिन है। अगर ईरान में अमेरिका समर्थक सरकार कायम हो गई तो अगला लक्ष्य पाकिस्तान ही होगा, जिसके पास परमाणु बम हैं और वो जब तब भारत को इसकी धमकी देता रहता है। पाक के पास 170 परमाणु बम हैं, जबकि ईरान तो इसे बनाने की कोशिश में ही मारा गया।

चिंगारी

चिंतन-मनन

श्रीराम शर्मा आचार्य

रावण का अंत होना था, तो दो तापसी युवक ही उस विशाल परिकर को धराशायी करने में समर्थ हो गए। दुर्धर्ष हिरण्यकश्यपु हारा और प्रह्लाद का सिक्का जम गया। समय आने पर, किसी दिग्भ्रांत करने वाले झाड़-झंखारों के जंगल को दावानल बन कर नष्ट करने में एक चिंगारी भी पर्याप्त हो सकती है। प्रलय की चुनौती जैसी ताड़का को राम ने और पूतना को कृष्ण ने बचपन में ही तो धराशायी कर दिया था। महाकाल का संकल्प यदि युग परिवर्तन का तारतम्य इन्हीं दिनों बिठा ले, तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। निकट भविष्य की कुछ सुनिश्चित संभावनाएं ऐसी हैं, जिनमें हाथ डालने वाले सफल होकर ही रहेंगे। अर्जुन की तरह नियति द्वारा पहले से ही मारे गए विपक्षियों का हनन करके अनायास ही श्रेय और प्रेम का दुहरा लाभ प्राप्त करेंगे। इसी माहौल में उन्हें प्रतिभा परिवर्धन का वह लाभ भी मिल जाएगा जिसके आधार पर मूर्धन्य युगशिल्पियों में उनकी गणना हो सके। अगले दिनों प्रचलित दुष्प्रवृत्तियों में से अधिकांश अपनी मौत मरेंगी, जिस प्रकार शीत ऋतु में मक्खी- मच्छरों का प्रकृति परंपरा के अनुसार अंत हो जाता है। अंधविश्वास, मूढक्ष्मान्यताएं, रूढ़ियां ,अंधपरंपराएं, दूरदर्शी विवेकशीलता का उषाकाल प्रकट होते ही उल्लू- चमगादड़ों की तरह अपने कोटरों में जा घुसेंगी। संग्रही और अपव्ययी जिस प्रकार आज अपना दर्प दिखाते हैं उसके लिए तब कोई आधार शेष न रहेगा। संग्रही, आलसी और लालची तब भाग्यवान होने की दुहाई न दे सकेंगे। एक और बात होगी कि चिरकाल से उपेक्षित नारी वर्ग न केवल अपनी गरिमा को उपलब्ध करेगा वरन उसे नर का मार्गदर्शन,नेतृत्व करने का गौरव भी मिलेगा। पिसे हुए , पिछड़े हुए ग्राम उभरेंगे और उन सभी सुविधाओं से संपन्न होंगे जिनके लिए उस क्षेत्र के निवासियों को शहरों की ओर भागना पड़ता है। समता और एकता के मार्ग में अवरोध एक- एक करके स्वयं हटेंगे और औचित्य के विकसित होने का मार्ग साफ करते जाएंगे। सम्मान, वैभव को नहीं, बल्कि उस वर्चस्व को मिलेगा जो आदर्शों के लिए उत्सर्ग करने का साहस संजोता है। पाखंड का कुहासा कितना ही सघन क्यों न रहा हो उसके लंबे समय तक पैर जमाए रहने की कोई संभावना नहीं है।

आपके पत्र

मानव जीवन और विकास में पुस्तकों की भूमिका

ज्ञानार्जन या ज्ञानोपलब्धि के लिए स्वाध्याय और पुस्तकों का सम्बन्ध अन्न और जल तथा सुई और धागे की तरह एक-दूसरे का पोषक एवं पूरक है। स्वाध्याय के साथ पुस्तकों और पुस्तकालयों का महत्त्व और उनकी उपयोगिता पर भी चिंतन करना अपेक्षित है। देव-पूजन में जितना महत्त्व देवी-देवों का है, उतना ही महत्त्व देवालयों का है। यदि देव मंदिर अथवा देवालय नहीं होंगे तो देव-विग्रह की प्रतिष्ठा कहां होगी। हम सभी जानते हैं कि पुस्तक स्वयं में ज्ञान नहीं है। वह निर्जीव कागजों का एक संपुट है, परंतु ज्ञान का यह एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है, जिसकी उपयोगिता सर्वमान्य है।

पुस्तकें देखने में अजीब अथवा जड़ दिखाई देती हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि उनमें लेखकों, रचयिताओं की आत्मा बसी रहती है। इसलिए भावात्मक दृष्टि से उस ज्ञान के साधन को ज्ञान मानकर प्रतिष्ठित किया गया है।

रमेश सिंह

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

जैक बोर्ड की परीक्षा में राज्य में अव्वल आये देव तिवारी को श्री परशुराम अखाड़ा ने किया सम्मानित

साहिबगंजः विगत कुछ दिन पहले झारखंड इंटर का रिजल्ट घोषित हुआ था। जिसमें इंटर कला विभाग में साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ निवासी संजय तिवारी के पुत्र देव तिवारी ने पूरे झारखंड राज्य में 481अंक प्राप्त कर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। ओझा टोली आदर्श पुस्तकालय में श्री परशुराम अखाड़ा व ओझा टोली के तमाम ग्राम वासियों के द्वारा देव तिवारी को माल्यार्पण अंग वस्त्र व श्रीमदभागवत गीता भेंट देकर सम्मानित किया गया। उनके उज्जवल भविष्य के लिए समाज के तरफ से उनको शुभ कामनाएं दी गई।देव तिवारी ने बताया कि उन्हें राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है।जिसका श्रेय वह अपने इष्ट देव माता-पिता वह अपने गुरुजन को देना चाहेंगे।इनका लक्ष्य बीएचयू जैसे विश्व प्रसिद्ध यूनिवर्सिटी से अध्ययन कर संस्कृत का प्रोफेसर बनना.जिससे इनके नाम से लोग हिंदुस्तान में साहिबगंज को जाने।आगे की पढ़ाई के लिए वित्तीय मदद की मांग की जिसका उपस्थित सभी लोगों ने समर्थन करते हुए यथा संभव सहयोग का आश्वासन दिया।मौके पर श्रीकांत ओझा,अंकित पाण्डेय,राजीव ओझा,जयप्रकाश ओझा,अजय ओझा,डब्लू ओझा,रामबिहारी ओझा पवन पांडेय,देवकुमार ओझा,प्रमोद झा,भगवती रंजनपांडे,बच्चन कुमार पाठक,शिवम वत्स,सतीश ओझा,उज्ज्वल पाण्डेय,आलोक ओझा व दर्जनों की संख्या में ओझा टोली ग्रामवासी उपस्थित थे।

इस्कॉन पहली बार निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

दुमकाः इस्कॉन कमेटी दुमका की एक बैठक अध्यक्ष सत्यवाक प्रभु की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में तय हुआ किदुमका वासियों के लिए यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि पहली बार इस्कॉन (अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ) द्वारा भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह नगर भ्रमण रूपी रथ यात्रा 27 जून 2025 को गिलनपाड़ा स्थित राधा माधव मंदिर से दोपहर 12 बजे प्रारंभ होकर पोखरा चौक (शिव मंदिर के सामने) तक पहुंचेगी।

इस भव्य रथ यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, बलराम एवं सुभद्रा जी की प्रतिमाएं भव्य रथ पर विराजमान होंगी, और पूरे नगर में हरिनाम संकीर्तन, झांकियां, भक्तों की टोली और गगनभेदी जय घोष के साथ भगवान का स्वागत किया जाएगा। जैसे ही रथ पोखरा चौक पहुंचेगा, वहाँ विशेष प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा, जो इस आयोजन की विशेषता होगी।

रथ यात्रा के उपरांत भगवान जगन्नाथ मौसीबाड़ी (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्मारक, अथाल) में 28 जून से 4 जुलाई तक विराजमान रहेंगे। इन आठ दिनों तक कीर्तन, भजन, भागवत कथा, सांस्कृतिक कार्यक्रम और दैनिक महाप्रसाद वितरण जैसे भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बालिका सशक्तिकरण मिशन जीईएम 2025 का समापन

साहिबगंज/बोरियोः एनटीपीसी फरक्का ने 21 जून को भव्य समापन समारोह के साथ बालिका सशक्तिकरण मिशन जीईएम 2025 का समापन किया। जिसके बाद 22 जून को प्रतिभागियों का पंजीकरण रद्द किया गया और विदाई दी गई। आरएलआई पीटीएस में समापन समारोह में एनटीपीसी फरक्का के कार्यकारी निदेशक अजय सिंघल और उदिता लेडीज क्लब की अध्यक्ष सीमा सिंघल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन एनटीपीसी गीत जीईएम 2025 लघु फिल्म व योग कविता पाठ नृत्य माइम शो और आत्मरक्षा जैसे प्रदर्शन शामिल थे। प्रतिभागियों ने जीईएम 2025 के अपने अनुभव भी साझा किए।अपने संबोधन में मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक फरक्का ने 28 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम के दौरान जीईएम की लड़कियों के आत्मविश्वास प्रतिभा और विकास की प्रशंसा की।बाद में,सभी 116 प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र वितरण दिऐ गये। 22 जून को,जीईएम की लड़कियों का औपचारिक रूप से पंजीकरण रद्द कर दिया गया और उन्हें एक समूह फोटो उपहार और मिठाई के साथ उनके माता-पिता को सौंप दिया गया। जो एक भावभीनी विदाई थी। इस मौके पर पीआरओ अनम बुखारी,जहीरूद्दीन सहित अन्य मौजूद थे।

किसी भी हाल में शांति भंग करने वाले लोगों को बख्शा नहीं जाएगा: एसडीपीओ

साहिबगंजः शहर में लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था बनी रहे इसको लेकर शनिवार की रात्रि एसडीपीओ किशोर तिर्की ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ पूरे नगर क्षेत्र का पैदल भ्रमण किया। एसडीपीओ ने पुलिस पदाधिकारी के साथ पूर्वी फाटक, चैती दुर्गा रोड ,कॉलेज रोड, टमटम स्टैंड, ग्रीन होटल मोड ,कृष्णा नगर,बडतल्ला होते हुए स्टेशन चौक के रास्ते पटेल चौक होते हुए गांधी चौक तक का भ्रमण किया। इसी दौरान एसडीपीओ ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था विधि व्यवस्था बनी रहे इसके लिए क्षेत्र का भ्रमण किया गया है। अक्सर सूचना प्राप्त होती है कि शाम के वक्त क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का व शरारती तत्वों का कई जगहों पर जमाबड़ा लगने लगता है और यही लोग छोटी बड़ी घटना को अंजाम देते हैं। वैसे लोगों पर चिन्हित कर कार्रवाई करने का थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है। किसी भी हाल में शांति भंग करने वाले लोगों को छोड़ नहीं जाएगा उसे पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। क्षेत्र भ्रमण के दौरान नगर थाना के पुलिस पदाधिकारी व जैप नौ के जवान शामिल थे।

महिला ने ईंट से बच्चे के सिर पर मारा, गंभीर

साहिबगंजः मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बलुआ दियारा निवासी मो. नसिर खान के पुत्र सात वर्षीय पुत्र मो. शाहरुख खान को पास की ही रहने वाली एक महिला ने ईंट से सिर पर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जहां इस घटना के बाद स्वजनों ने अपने शिकायत को लेकल मुफस्सिल पुलिस के पास पहुंचा जहां पुलिस ने प्राथमिक उपचार के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।घायल किशोर के चाचा मो. जिशान खान ने बताया कि उसके खेत में पास की रहने वाली एक महिला का बकरी रोजाना घुसकर फसल खा लेती है।

भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता

दुमकाः शहर के अग्रसेन भवन में भारतीय जनता पार्टी, दुमका जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित थे,साथ में राज्य के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व सांसद अभयकांत प्रसाद, दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन एवं दुमका जिला चुनाव अधिकारी प्रकाश सेठ मौजूद रहे ।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने की। इस अवसर पर जिला एवं मंडल पदाधिकारी, सभी मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्री, मंडल अध्यक्ष, पूर्व प्रत्याशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं सक्रिय कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रदेश अध्यक्ष श्री मरांडी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान, बूथ सशक्तिकरण एवं जनसंपर्क को लेकर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने संगठन विस्तार की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

आगामी 24 जून को भाजपा दुमका जिला के प्रत्येक प्रखंड मुख्यालय में आक्रोश प्रदर्शन करेगी, ताकि राज्य सरकार की विफलताओं के खिलाफ जनभावनाओं को मुखर किया जा सके। साथ ही 30 जून को वीर शहीद सिदो-कान्हू की जयंती को जिले भर में धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय जनता व्यापक रूप से भाग लेंगे।श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है, और हर कार्यकर्ता को जनसेवा के संकल्प के साथ समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने और विपक्ष के झूठे प्रचार का तथ्यात्मक जवाब देने का भी आह्वान किया।

जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू ने बताया कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य परितोष सोरेन,सुरेश मुर्मू,अंजुला मुर्मू,अमिता रक्षित,शर्मिला सोरेन, अमरेंद्र सिंह,महामंत्री मनोज पांडेय,पवन केशरी ,जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद सिंह बिद्ध,बबलू मंडल,पिंटू साह,मार्शल ऋषिराज टुडू, विवेकानंद राय,जिला मंत्री कालेश्वर लायक,जीतलाल राय,सोनी हेंब्रम, पिंटू अग्रवाल,गोपीनाथ दत्ता,सुजीत यदुवंशी,दीप्तांशु कोचगवे,रूपेश मंडल,ममता साह,श्रीधर दास,फारुख अनवर,रमेश मुर्मू,मृणाल मिश्रा,ओम केसरी,रुद्रनाथ गोराई,सहदेव मरांडी,गणपति पाल,दीपक स्वर्णकार,नरेश चंद्र मंडल,नवल किशोर मांझी,राजू दर्बे,अनूप कुमार,मुरलीधर मंडल,नकुल साह,टिंकू गण,गायत्री जायसवाल,प्रवीण सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त ने पीएम जनमन व धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान को लेकर अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा -निर्देश

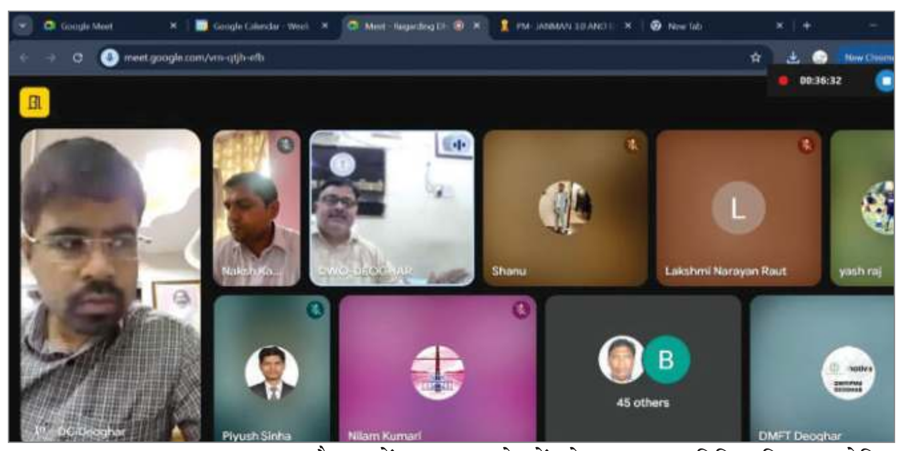

संवाददाता

देवघरः जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान की तैयारियों व किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जनजातीय बहुल गांवों में 15 जून से 30 जून तक आयोजित होने वाले शिविर के सफल संचालन को लेकर जिला व प्रखंड स्तर के अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने आयोजित कैम्प में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन गति को तेज करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही उपायुक्त ने संबंधित प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया कि पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान को लेकर अनुसूचित जनजाति के सदस्यों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं यथा स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, जलापूर्ति, संपर्क पथ, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, आधार, प्रमाण पत्र, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन योजना, विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, पीएम नेशनल डायलिसिस प्रोग्राम, सिकल सेल मिशन व पीएम आवास योजना आदि से अच्छादन हेतु उनके टोलों में आयोजित शिविर में सभी विभाग के पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित रहकर योजनाओं से लाभान्वित करते उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराने का निर्देश दिया गया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के तहत प्रखंडो में आम की बागवानी को लेकर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों व प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया। साथ ही बिरसा हरित ग्राम योजना से ज्यादा से ज्यादा सुयोग्य लाभुकों को जोड़े, ताकि योजना के माध्यम से लाभुकों को जोड़ने के पश्चात आय बढ़ाना और खाली व बंजर पड़ी जमीनों का इस्तेमाल किया जा सके। मौके पर उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, सिविल सर्जन, डीआरडीए निदेशक सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, निदेशक सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर व मधुपुर, कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल देवघर, जिला कौशल विकास अधिकारी - सह -डीईओ, सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी एवं डीएमएफटी की टीम संबंधित कॉर्डिनेटर व अन्य उपस्थित थे।

योगिनी एकादशी को बाबा बासुकिनाथ मंदिर में पूजा अर्चना को उमड़ी भीड़

संवाददाता

बासुकीनाथः योगिनी एकादशी के दिन बाबा बासुकीनाथ मंदिर में देश विदेश से आये श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा । हजारों श्रद्धालुओं के आस्था के आगे मंदिर की व्यवस्था कमजोर साबित हुआ । देर शाम तक रविवार को लगभग पचास हजार श्रद्धालुओं ने सुलतान गंज के अजगैबीनाथ उत्तरवाहिनी गंगा घाट से श्रद्धापूर्वक लाया गया गंगाजल को बाबा बासुकिनाथ सहित अन्य देवी देवताओं को नेम निष्ठा से श्रद्धापूर्वक समर्पित किया । रविवार के कारण बढ़ते भीड़ से मंदिर प्रबंधन द्वारा किया गया व्यवस्था कमजोर पड़ गया । सभी आगंतुक श्रद्धालुओ को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कतार के अध्ययन से गर्भगृह में प्रवेश कराया गया जहां प्रवेश कर सभी शिवभक्तों ने बाबा बासुकिनाथ जी को जलार्पण कर पूजा अर्चना किया । मंदिर प्रबंधन द्वारा जारी शीघ्रदर्शन का कूपन कटा कर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भी वीआईपी सुविधा के तहत जलार्पण किया । बासुकिनाथ मंदिर में पुलिसकर्मियों की कमी के कारण दिन भर कतार अस्त-व्यस्त रहा । चार बजे सुबह से लेकर रात आठ बजे तक श्रद्धालुओं की संख्या में कमी नहीं आई थी । बीच बीच में रसूखदार श्रद्धालु आते रहे और सामान्य यात्रियों की कतार जहां थी वहीं खड़ी रही । समाचार प्रेषण तक श्रद्धालुओं का आना जारी था ।

इलाज के दौरान युवक की मौत

संवाददाता

साहिबगंजः रेलवे पश्चिमी फाटक के केबिन के समीप साहिबगंज दानापुर इंटरसिटी ट्रेन की चपेट में आने वाला युवक जमालपुर छोटी दौलतपुर निवासी राकेश कुमार तांती की मौत शनिवार की दिन रात्रि इलाज के दौरान सदर अस्पताल में हो गई। जीआरपी पुलिस ने रविवार को शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर मृतक राकेश कुमार के जीजा मनोज तांती ने बताया कि शनिवार की रात जब राकेश घर नहीं लौटा तो लगभग 8:30 से 9:00बजे के बीच उसके मोबाइल पर फोन किया तो फोन जीआरपी के किसी पुलिस पदाधिकारी ने उठाया और राकेश के साथ हुई दुर्घटना की जानकारी दी। इसके बाद हम सभी परिवार के सदस्य ट्रेन पकड़ कर साहिबगंज पहुंच कर अस्पताल गए लेकिन तब तक राकेश की मौत हो चुकी थी। बताया कि वह बड़ई मिस्त्री का काम करता था। वह घर से भागलपुर जाने की बात कह कर निकाला था लेकिन साहिबगंज कैसे पहुंचा क्यों आया इसकी जानकारी हम लोगों को भी नहीं है। राकेश की शादी लगभग छह वर्ष पूर्व हुई है उसके दो बच्चे भी हैं पिता टुनटुन टेट भी मजदूरी का ही काम करते हैं। मालूम हो कि बीते शनिवार को साहिबगंज दानापुर इंटरसिटी की चपेट में आने से कमालपुर निवासी राकेश कुमार का दोनों पर कट गया था। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय व जीआरपी की मदद से एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था जहां डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया था लेकिन इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई।

नये नियमावली में पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा-सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा है : हंसीलाल

साहिबगंजःअपनी 12 सूत्री मांगो को पूरा करने को लेकर झारखण्ड राज्य आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटर संघ शहर के मछुआ सोसाइटी में हंसीलाल दत्ता की अध्यक्षता में बैठक की गयी। बैठक मे आउटसोर्स कर्मचारी अपने संगठन बिस्तार को लेकर चर्चा की। बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में आउट सोर्सिंग कर्मचारी बैठक कर संगठन मजबूत करेंगे। वही संगठन के जिला उपाध्यक्ष रितेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस नियमावली में पूर्व से कार्यरत कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा का ध्यान नहीं रखा गया है।कर्मचारियों की मांग है कि सरकार इसमें संशोधन करते हुए 60 वर्ष तक सेवा सुरक्षा और वित्त विभाग के आलोक में संविदा कर्मियों के समान वेतन भुगतान करने का प्रावधान शामिल किया जाय,कहा की नियमावली गठन के उपरांत झारखण्ड राज्य अंतर्गत सभी विभाग कार्यालयों सचिवालय, प्रमण्डलीय जिला,अनुमंडल,प्रखण्ड अंचल स्तरीय एवं अन्य क्षेत्रीय कार्यालय सहित में आउटसोर्स के माध्यम से पूर्व से कार्यरत कर्मियों को यथास्थिति कार्यालय एवं पद पर पूर्ववत रखा जाय,साथ ही कहा की समान कार्य के बदले समान वेतन के सिद्धांत पर वित्त विभाग द्वारा संविदा पर कार्यरत कर्मियों के लिए किये गए प्रावधान के अनुरूप वेतन समान रूप से लागू किया जाय वही उन्होंने बताया की वार्षिक वेतन वृद्धि राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप समान अथवा पूर्व की भांति 8% किया जाय,अमीन एवं अन्य तकनीकी कर्मियों, जिसे गैर-तकनीकी श्रेणी में रखा गया है।वही सभी ने एक स्वर मे कहा की सरकार जब तक हमारी मांगो को पूरा नहीं करती तब तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा.बैठक मे अजीत कुमार,बीरबल कुमार दास,रितेश कुमार गुप्ता,अंकित कुमार, सत्यम कुमार सिंह,अभिषेक कुमार,गंधर्व पंडित, आकश कुमार राजहंस अमृत सुभास,सुमित प्रकाश,कुणाल प्रसाद गुप्त,नरेश कुमार,संतोष कुमार यादव,मो अमिक हुसैन,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

ऐतिहासिक होगा हूल दिवस, हेमंत सोरेन करेंगे शिरकतः मिश्रा

संवाददाता

साहिबगंज/बरहेटः प्रखंड कार्यालय परिसर अंतर्गत आदिवासी संस्कृति एवं कला भवन धूमकुडिया भवन में झामुमो जिला समिति की एक बैठक झामुमो जिलाध्यक्ष अरुण सिंह की अध्यक्षता मे किया गया।बैठक में 30 जून हूल दिवस पर चर्चा की गई।बैठक के मुख्य अतिथि झामुमो केंद्रीय सचिव सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा शामिल हुए।जिलाध्यक्ष अरुण सिंह,ज़िप अध्यक्ष मोनिका किस्कू,महिला ज़िला अध्यक्ष बसंती हांसदा,जिला सचिव सुरेश टुडू ने पंकज मिश्रा,सांसद विजय हांसदा राजमहल विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन बोरियो विधायक धनंजय सोरेन को अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया। पंकज मिश्रा ने जिला कमिटी को संबोधित करते हुए कहा की कि आगामी दिनांक 30 जून हूल दिवस के मौके पर झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष सह सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का वीर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू की पावन धरती पर आगमन होने जा रहा है।सभी प्रखंड के अध्यक्ष सचिव अपने -अपने प्रखंड में बैठक कर तैयारी में जुट जाएं।बैठक को सांसद विजय हांसदा,विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन, विधायक धनंजय सोरेन ने भी संबोधित किया। मंच का संचालन जिला उपाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि संजीव सामु हेंब्रम ने किया। मौके पर जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू,झामुमो महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष बसंती हांसदा,जिला सचिव सुरेश टुडू,ज़िला प्रवक्ता राजाराम मरांडी,ज़िला कार्यकारिणी सदस्य प्रो नजरुल इस्लाम,युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय गोस्वामी सचिव मोहम्मद मारुफ उर्फ गुड्डू प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी,सचिव मुजीबुर रहमान ज़िला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र यादव के अलावा सभी प्रखंड के अध्यक्ष सचिव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

टीवी शो 'अनुपमा' के सेट पर भीषण आग करोड़ों का कीमती सामान जलकर खाक

टीवी सीरियल अनुपमा के सेट से एक बड़ी खबर सामने आई है। मुंबई के गोरेगांव स्थित फिल्म सिटी में आज सुबह अनुपमा के सेट पर अचानक आग लग गई, जिससे वहां हड़कंप मच गया। हादसे में करोड़ों का सामान जलकर राख हो गया। हालांकि, किसी शख्स के घायल होने की कोई खबर नही है।

यह घटना सुबह करीब 5 बजे की है। बताया जा रहा है कि सेट पर मौजूद कुछ लोगों ने धुआं उठते देखा और तुरंत फायर ब्रिगेड को बुलाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। करोड़ों का कीमती सामान जलकर खाक हो गया था। हालांकि, सेट पर मौजूद सभी कलाकार और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जानी नुकसान होने से बचाव हो गया है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने कड़ी मश्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल वहां कूलिंग का काम जारी है ताकि आग दोबारा न लगे।

इस भीषण हादसे पर आईसीडब्ल्यूए ने गहरी चिंता जताई है। एसोसिएशन ने अपने पोस्ट में निमार्ताओं, प्रोडक्शन हाउस और चैनल पर लापरवाही का आरोप लगाया और कहा कि वे बुनियादी अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करने में नाकाम रहते हैं। आईसीडब्ल्यूए ने इस मामले में प्रोड्यूसर, प्रोडक्शन हाउस, चैनल, फिल्म सिटी मैनेजमेंट और लेबर कमिशन के खिलाफ आपराधिक एफआईआर दर्ज कराई है। संगठन ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। वहीं, इस हादसे से शो के कलाकारों और फैंस के बीच काफी मायूसी है। अभी तक शो के कलाकारों ने इस बयंकर हादसे पर कोई रिएक्ट नहीं किया है।

'मेरा उत्तराधिकारी, मेरा बेटा...' बच्चन की 'कालीधर लापता' का ट्रेलर देख गदगद हुए अमिताभ बच्चन

अभिषेक बच्चन पिछले डेढ़-दो साल में अभिषेक ने 'आई वांट टू टॉक' और 'घूमर' जैसी बेहतरीन फिल्म दीं। हाल ही में उनका मल्टीस्टारर फिल्म 'हाउसफुल 5' में कॉमिक किरदार देखने को मिला। वहीं अब उनकी एक और फिल्म का 'कालीधर लापता' रिलीज होने वाली है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर आउट हुआ है जिसमें उनकी उनकी बेहतरीन एक्टिंग देखने को मिल रही है। ऐसे में बेटे अभिषेक की एक्टिंग स्किल्स को देखते हुए अमिताभ बच्चन ने एक ब्लॉग लिखा है। उन्होंने आधिकारिक तौर पर अभिषेक को अपना उत्तराधिकारी बताया।

अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा- ' और अभिषेक के लिए अपार सराहना है.. टमेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे, जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे वो मेरे बेटे होंगे- हरिवंश राय बच्चन।' उन्होंने (अभिषेक) जो भी रोल एक्सेप्ट किए और निभाए हैं वह बहुत डेडिकेशन के साथ किए हैं। उन्होंने किरादार को हमेशा पूरी तरह से निभाया है।'

अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा-'उनकी फिल्मों और किरदार के सेलेक्शन ने उन्हें कुछ अलग करने का अवसर दिया है और मुझे बचपन में मेरी ऑटोग्राफ बुक में लिखे गए शब्द याद हैं, महान हिंदी कवि श्री राम धारी सिंह 'दिनकर'द्वारा, जब वे अक्सर इलाहाबाद, अब प्रयागराज में हमारे घर आते थे। 'सफलता उन्हें मिलती है जो हिम्मत करते हैं और काम करते हैं।' अपनी बात जारी रखते हुए अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा- '''काम' का मतलब मंच या फिल्म पर काम करना नहीं है बल्कि जीवन में हिम्मत करना और काम करना है.. अभिषेक ने हमेशा ऐसा किया है.. उन्होंने फि ल्मों में काम करने का साहस किया है और ऐसे किरदार जिन्होंने उसे चुनौती दी और उसने 'अभिनय' किया.. उसने अभिनय करने और पहचाने जाने का साहस किया। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग के आखिरी में अभिषेक बच्चन को अपना उत्तराधिकारी बताते हुए लिखा- 'मेरे उत्तराधिकारी, मेरे बेटे के प्रति मेरी प्रशंसा।' अभिषेक की कालीधर लापता 4 जुलाई को टी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। फिल्म को मधुमिता ने डायरेक्ट किया है।

सलमान खान ने सोहेल खान की शादी पर कसा तंज, कहा

अब वह भी भाग गई

ह्यद ग्रेट इंडियन कपल शो के तीसरे सीजन के पहले एपिसोड में सलमान खान नजर आए। कॉमेडियन कपिल शर्मा ने सलमान से उनकी शादी से लेकर पजेसिव फैंस को लेकर सवाल पूछे। इस दौरान सलमान ने भाई सोहेल खान की शादी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि सोहेल की शादी हुई, तो उसने अविनाश गोवारिकर से कमरा खाली करने को कहा। इस पर अविनाश नाराज हो गए कि और सोहेल से कहा कि वह उन्हें बताए बिना शादी कैसे कर सकते हैं? यह किस्सा बताने के दौरान सलमान ने फिर सोहेल के तलाक पर ही तंज कस दिया। सलमान ने कहा, उसी दौरान सोहेल ने भागकर शादी कर ली। अब वो भी भाग गई हैं।

पहली सालगिरह पर सोनाक्षी ने पति पर उड़ेला प्यार, सास-ससुर की भी जमकर की तारीफ

बॉलीवुड के पावर कपल सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल के लिए आज बेहद खास दिन है। यह वो दिन है, जब लवबर्ड एक दूजे संग प्यार के बंधन में बंधे थे और हमेशा साथ जीने-मरने की कसमें खाई थीं। आज कपल की शादी को पूरे 365 दिन हो गए हैं। जी हां, आज सोनाक्षी-जहीर की शादी की पहली सालगिरह है और इस मौके पर दोनों के दिल प्यार से भरे हुए हैं। इस खास मौके पर सोनाक्षी ने अपने पति पर ढेर सारा प्यार लुटाया है और सास-सुसर के लिए भी दिल छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया है।

'सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी शादी की पहली एनिवर्सरी पर इंस्टाग्राम स्टोरी पर पति जहीर इकबाल के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ,उस आदमी को शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं जो आठ साल तक मेरा बॉयफ्रेंड और एक साल तक मेरा पति रहा... भगवान का शुक्र है कि वह इंसान अभी भी वैसा ही है।

एक इंस्टाग्राम स्टोरी में सोनाक्षी ने अपने घर के सेटअप की एक झलक दिखाई, जिसमें पिंक और व्हाइट बैलून्स की डेकोरेशन के बीच जहीर सोफे पर बैठे स्माइल करते हुए नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने अपने सास-ससुर को थैंक्यू कहा और लिखा, दुनिया के सबसे अच्छे ससुराल वाले। सबसे पहले, उन्होंने मुझे यह आदमी दिया और फिर उन्होंने मुझे बेशुमार प्यार दिया।

बता दें, शादी से पहले सोनाक्षी और जहीर ने एक दूजे को सात साल तक डेट किया था। भले ही दोनों ने शादी से पहले अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियल नहीं किया था, लेकिन अ्क्सर दोनों को एक साथ डेट्स एंजॉय करते देखा जाता था। वहीं, लंबी डेटिंग के बाद कपल ने उसी दिन शादी रचाई, जिस दिन दोनों के प्यार का परवाना चढ़ा था। 23 जून, 2024 को कपल ने अपने खास दोस्तों और परिवार की मौजूदगी के बीच रजिस्टर मैरिज की और फिर इसके बाद उसी शाम इंडस्ट्री के लोगों को ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी दी थी। काम की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही फिल्म निकिता रॉय में नजर आएंगी, इस फिल्म को उनके भाई कुश सिन्हा ने निर्देशित किया है, जो उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म है। ये फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रेड को-ऑर्ड सेट में सारा अली खान ने मचाया तहलका हसीना का ग्लैमरस लुक देख फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन डीनो को लेकर चर्चा में हैं। उनकी ये मल्टी-स्टारर फिल्म अगले महीने सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है, जिसके प्रमोशन में सारा कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस अपनी हॉट अंदाज की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिन्हें देख फैंस उनके दीवाने हो रहे हैं। एक्ट्रेस का

सारा का ये कैप्शन और उनकी तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही हैं और में कमेंट कर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

रेड को-ऑर्ड आउटफिट में ग्लैमरस लुक सोशल मीडिया पर छा गया है। सारा अली खान ने अपनी ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इस दौरान वो रेड कलर के को-ऑर्ड सेट में बेहद ही हॉट लग रही हैं। इस लुक को और भी स्टाइलिश बनाने के लिए सारा ने पब्लिक डिजायर ब्रांड की रेड प्लैटफॉर्म हाई हील्स पहनीं, जिनमें टाई-अप स्ट्रैप्स थे। मिनिमल मेकअप और खुले बालों से सारा ने अपना लुक कंप्लीट किया है और फैंस को दीवाना बनाने में कामयाब हो रही हैं। इन तस्वीरों में सारा कभी चेयर पर बैठी सेब खाती नजर आ रही हैं तो कभी हेयरस्टाइलिस्ट से हेयर सेट करवाती और कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर कर सारा ने कैप्शन में लिखा- 'अपना फल खाओ और क्रूर मत बनो.'

सारा का ये कैप्शन और उनकी तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही हैं और में कमेंट कर उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, सारा अली खान की अपकमिंग फिल्म की बात करें तो मेट्रो इन दिनों बहुत जल्द यानी 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

इंडिया- इंग्लैंड टेस्ट मैच

बुमराह के पंजे से भारत को बढ़त, इंग्लैंड पहली पारी में 465 रन पर ऑलआउट

एजेंसी/ लीड्सः भारत ने तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 82 रन की बढ़त बना ली है। रविवार को भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लिश टीम को 465 रन पर ऑलआउट किया और टीम इंडिया को छह रन की बढ़त मिली। भारत ने पहली पारी में 471 रन बनाए थे। हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में मैच के तीसरे दिन इंग्लैंड ने 209/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया। ओली पोप 106, हैरी ब्रूक 99 और बेन डकेट 62 रन बनाकर आउट हुए।

भारत की ओर से बुमराह ने पांच, प्रसिद्ध कृष्णा ने और सिराज को दो विकेट झटके। जसप्रीत ने 14वीं बार पांच विकेट झटके। खबर लिखे जाने तक भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी में 2 विकेट के नुकसान पर 90 रन बना लिए।

वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा बोले

मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं

नई दिल्ली: भारत की वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा से जब ये पूछा गया कि उनको अपनी जिंदगी में किस बात का पछतावा है, तो उन्होंने कहा कि उनको किसी भी बात का रिगरेट अपने जीवन में नहीं है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा

है और मैं इससे खुश हूं। मुझे किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित शर्मा ने हरभजन सिंह और गीता बसरा के हू इज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार इंटरव्यू में पूछा गया कि आपको जीवन में किसी बात का पछतावा है? मैंने हमेशा पूछा है कि किस बात का पछतावा?

अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं, तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे यह दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है, जो आपके लिए लिखा गया होता है और मैं इससे बहुत खुश हूं।

स्टंप माइक में कैद पंत और गिल की बातों ने दर्शकों का किया मनोरंजन

अपने चौके के चक्कर में, मेरा चौका मत दे देना

एजेंसी/ लीड्सः भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज चल रही है। इस सीरीज में युवा भारतीय खिलाड़ियों को नेतृत्व करने का मौका मिला है। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। अब टीम में सिर्फ जडेजा, बुमराह, पंत और

केएल राहुल ही पुराने खिलाड़ी बचे हैं। मैच के दौरान स्टंप माइक ने खूब मनोरंजन किया। ऋषभ पंत और शुभमन गिल की बातें सुनकर दर्शक खूब हंसे। एक मौके पर, गेंद डकेट के पैर की तरफ से गुजरी। पंत ने गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाई। पंत ने कहा, मैं भी खेल रहा हूं भाई! अपने चौके के चक्कर में, मेरा चौका मत दे देना। एक और मौके पर, रविंद्र जडेजा ने एक अच्छी गेंद डाली। बल्लेबाज ने उसे रोक दिया। गिल ने चिल्लाकर कहा, अभी ये पूरा कंफ्यूज है जड्डू भाई! कौन सी सीधी है, कौन सी उधर आएगा उसका! अभी इसको कुछ पता नहीं लग रहा।

छत्तीसगढ़ में बोले अमित शाह- नक्सलियों से कोई बात नहीं, सरेंडर करें

मानसून में भी जारी रहेगा अभियान, खात्मे का संकल्प दोहराया

एजेंसी/ रायपुरः अमित शाह रविवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे और नक्सलवाद के खात्मे को लेकर अपना संकल्प एक बार फिर दोहराया। उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए नक्सलियों से कोई बात नहीं करने की दो-टूक बात कही। साथ ही 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का सफाया करने की डेडलाइन में कोई बदलाव नहीं किए जाने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ अभियान बारिश यानी मानसून के सीजन में भी जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और एक केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस बार तो नक्सलियों को मानसून सीजन में भी चैन नहीं मिलेगा, क्योंकि उनके खिलाफ अभियान बारिश में भी जारी रहेगा। शाह ने कहा कि हर बार बरसात के मौसम में नक्सलियों को आराम मिल जाता था।

ऐसा इसलिए क्योंकि इस सीजन में घने जंगलों में उफनती नदियां नक्सल विरोधी अभियानों में बाधा डालती हैं, लेकिन इस बार हम उन्हें मानसून के दौरान भी चैन से सोने नहीं देंगे और हम 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों को केवल एक ऑप्शन दिया। उन्होंने नक्सलियों से हथियार डालकर विकास की यात्रा में शामिल होने की अपील की। साथ ही नक्सलियों से किसी भी तरह की बातचीत से इनकार किया। उन्होंने कहा कि नक्सलियों से बातचीत की कोई जरूरत नहीं है। नक्सली हथियार डालें और मुख्यधारा में शामिल हो जाएं। उन्होंने नक्सलियों से सरेंडर करने और सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाने की अपील की।

स्वस्थ समाज के लिए सौहार्दपूर्ण माहौल जरूरीः अनिरुद्ध सिंह

बख्तियारपुर (पटना): स्वस्थ और समृद्ध समाज के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण जरूरी है। सामाजिक समरसता से समाज के विभिन्न वर्गों और समुदायों के बीच एकता और सहयोग बढ़ता है, जिससे समाज में शांति और सौहार्द बना रहता है। उक्त बातें पटना जिलांतर्गत बख्तियारपुर प्रखंड के करनौती ग्राम निवासी प्रगतिशील किसान व समाजसेवी अनिरुद्ध सिंह (सरदार जी) ने कही। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता से सामाजिक न्याय को बढ़ावा मिलता है, जिससे समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और अधिकार मिलते हैं। समाज का सर्वांगीण विकास होता है, क्योंकि सभी वर्गों के लोग मिलकर सामाजिक विकास में योगदान देते हैं। श्री सिंह ने कहा कि सौहार्दपूर्ण माहौल से समाज में शांति और सुरक्षा बनी रहती है, जिससे लोगों को अपने जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का भरोसा होता है।

सामाजिक सद्भावना बढ़ती है, जिससे लोग एक दूसरे के साथ सहयोग और सहानुभूति के साथ व्यवहार करते हैं। आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है, क्योंकि निवेशकों और उद्यमियों को समाज में निवेश करने के लिए एक सुरक्षित और स्थिर माहौल मिलता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और सौहार्दपूर्ण माहौल स्वस्थ और समृद्ध समाज के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। इससे समाज में एकता, सहयोग, सामाजिक न्याय, शांति, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। इसलिए, समाज के सभी वर्गों और समुदायों को मिलकर सामाजिक समरसता और सौहार्दपूर्ण माहौल को बढ़ावा देने की दिशा में सहभागिता निभाने की आवश्यकता है। गांवों का तेजी से हो रहा शहरीकरण भी एक कारकः उन्होंने कहा कि पहले गांवों में भाईचारगी और एकता दिखती थी, लेकिन गांवों का तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण ग्रामीण परिवेश में भी बदलाव हुआ है। गांवों के लोग शहरों में नौकरी और रोजगार की तलाश में चले जाते हैं, जिससे गांवों में एकता का माहौल कम होता जा रहा है। आधुनिकीकरण और शहरीकरण के कारण लोगों की जीवनशैली में बदलाव हुआ है, जिससे पारंपरिक एकता और सामुदायिक भावना कम होती जा रही है। गांव में आर्थिक असमानता बढ़ने से लोगों के बीच दूरी और मतभेद भी बढ़ने लगे हैं।

सामाजिक परिवर्तन जैसे कि शिक्षा, मीडिया और प्रौद्योगिकी के प्रभाव से लोगों के विचार और मूल्य बदल रहे हैं, जिससे सामाजिक एकता प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विभाजन और मतभेद गांव में एकता को कम करने के मुख्य कारक हैं। वहीं, प्रशासनिक अक्षमता और बढ़ते भ्रष्टाचार से प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है। सरकारी जन-कल्याणकारी योजनाओं में लूट-खसोट से ग्रामीण विकास बाधित होता है। गांवों से शहरों में प्रवास और प्रवृत्ति के कारण लोगों के बीच दूरियां बढ रही है। तकनीकी परिवर्तन जैसे कि मोबाइल और इंटरनेट के कारण लोगों के बीच संचार और एकता कम होती जा रही है।

साइबर क्राइम कॉलर ट्यून से मिलेगा छुटकारा! केंद्रीय संचार मंत्री तक पहुंचा मामला

नई दिल्लीः आप भी यदि किसी को कोई फोन मिलाते हैं तो उससे पहले आपके फोन पर साइबर अपराध को लेकर जागरूक करने वाला एक वॉइस मैसेज सुनाई देता है। वैसे तो यह मैसेज लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने के लिए है, लेकिन कई बार इमरजेंसी में कॉल करने पर आपको काफी देर तक इस मैसेज को सुनना पड़ता है। ऐसे में लोग तंक आकर इस कॉलर ट्यून को बंद करने की मांग करते हैं। लेकिन अब शायद आपको जल्द ही इस कॉलर ट्यून से छुटकारा मिलने वाला है। क्योंकि इस कॉलर ट्यून को बंद करने की मांग केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य के पास पहुंच गई है और उन्होंने जल्द ही इस पर विचार करने का आश्वासन दिया है।

बता दें कि मध्यप्रदेश के एक पूर्व विधायक ने इस कॉलर ट्यून को बंद करने की आवाज उठाई है। इंदौर के एक वरिष्ठ बेजीपी नेता और पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि इस कॉलर ट्यून का लंबा टाइम मोबाइल फोन यूजर्स, खासतक इमरजेंसी में कॉल करने वालों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री सिंधिया के शहर आगमन के दौरान उन्हें इस कॉलर ट्यून को बंद करने के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा है।

सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि साइबर अपराधों को प्रति जागरूकता जरूरी है, लेकिन कॉलर ट्यून की गैर जरूरी लंबाई से लोगों को असुविधा हो रही है, खासकर तब जब इमरजेंसी में किसी को कॉल करनी होती है। उन्होंने सुझाव दिया है कि जागरूकता के लिए रटर अलर्ट या अन्य वैकल्पिक तरीकों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उनके इस सुझाव पर केंद्रीय संचार मंत्री सिंधिया ने विचार का आश्वादन दिया है। अब देखना होगा कि सरकार इस मांग पर क्या कदम उठाती है।

लुधियाना में सडक हादसा, नहर में गिरी कार, दो लोगों की मौत

गुरुद्वारा साहिब में मात्था टेक कर लौट रहा था परिवार

फिरोजपुरः लुधियाना में आज सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जब एक परिवार गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेक कर लौट रहा था। रास्ते में उनकी कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई, जिसमें दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो मासूम बच्चियों को राहगीरों ने बहादुरी दिखाते हुए सुरक्षित बचा लिया।यह हादसा दोराहा के पास स्थित दबुर्जी गांव के नजदीक हुआ। जानकारी के अनुसार, कार में सवार रुपिंदर सिंह, उनकी भाभी पलविंदर कौर और दो बच्चियां हरलीन और हरगुन गुरुद्वारा साहिब से दर्शन करके घर लौट रहे थे। रास्ते में अचानक कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधा तेज बहाव वाली नहर में जा गिरी। हादसे को देख आसपास मौजूद राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े। कई लोगों ने जान की परवाह किए बिना नहर में उतरकर कार में फंसे लोगों को निकालने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद दोनों बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बच्चियां हालांकि शारीरिक रूप से सुरक्षित हैं, लेकिन मानसिक रूप से गहरे सदमे में हैं और बार-बार अपनी मां को पुकार रही हैं। राहगीरों ने जब तक कार में फंसे रुपिंदर सिंह को बाहर निकाला, तब तक वह दम तोड़ चुके थे। वहीं पलविंदर कौर को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। इस हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की। अब पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है कि हादसा किस वजह से हुआ क्या यह सड़क की खराब स्थिति, तेज रफ्तार या तकनीकी खराबी का मामला है।

एलेन मॅस्क ने लॉन्च की टेस्ला रोबो टैक्सी सर्विस, सड़कों पर दौड़ी बिना ड्राइवर की कार

वाशिंगटन : टेस्ला ने अपनी बहुप्रतीक्षित रोबो टैक्सी सर्विस की शुरूआत कर दी है। कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने इस सेवा की शुरूआत की जानकारी खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। ऑस्टिन शहर में रविवार सुबह इस बिना ड्राइवर वाली टैक्सी सेवा की शुरूआत की गई, जिसकी पहली सवारी की कीमत मात्र 4.20 डॉलर (करीब 364 रुपये) रखी गई।

इस पूरी तरह से ड्राइवरलेस टैक्सी में फूल सेल्फ ड्राइविंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक कार को किसी भी इंसानी हस्तक्षेप के बिना सड़कों पर सुरक्षित रूप से चलने में सक्षम बनाती है। ऑस्टिन की सड़कों पर यह टैक्सी बिना ड्राइवर के दौड़ती नजर आई, जिससे राहगीर हैरान और आकर्षित दोनों नजर आए।

हालांकि टेस्ला की ओर से अभी इस प्रोजेक्ट को लेकर विस्तृत आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन शुरूआती लॉन्च के दौरान कंपनी ने कई टेक्नोलॉजी इंफ्लुएंसर को आमंत्रित कर टैक्सी में यात्रा करने का मौका दिया। फिलहाल शहर में 10 से 20 रोबो टैक्सी सेवाएं चालू की गई हैं।

टेस्ला ने इस टैक्सी में अत्याधुनिक कैमरा, सेंसर, न्यूरल नेटवर्क और ऑटोपायलट हार्डवेयर का इस्तेमाल किया है। एफएसडी सिस्टम इन सभी के सहयोग से काम करता है और वाहन की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। टैक्सी में लगाया गया अकसिस्टम लेन बदलना, मोड़ लेना, ट्रैफिक लाइट्स पर रुकना, और पार्किंग स्पॉट खोजने जैसे कार्यों को खुद संचालित करता है। टेस्ला को अमेरिका में इसके संचालन के लिए सभी जरूरी अनुमतियाँ मिल चुकी हैं।

परिवहन में लाएगा क्रांति? : टेस्ला रोबो टैक्सी का यह पहला चरण सफल रहता है तो यह भविष्य में परिवहन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। सेफ्टी और सुविधा की दृष्टि से यह तकनीक भारत समेत कई देशों के लिए एक मिसाल बन सकती है, जहां टैक्सी सेवाओं को लेकर सुरक्षा और भरोसे की चिंता बनी रहती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या टेस्ला की यह पहल वैश्विक परिवहन व्यवस्था में नई दिशा तय कर पाएगी।

नौसेना की ताकत से कांपेंगे दुश्मन, गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल बेड़े में होगा शामिल

नई दिल्लीः भारतीय नौसेना के रूस में निर्मित गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल को पहली जुलाई को रूस के तटीय शहर कलिनिनग्राद में नौसेना में शामिल किया जाएगा। गाइडेड मिसाइल युद्धपोत आईएनएस तमाल अनेक मिसाइलों और निगरानी प्रणालियों को ले जाने में सक्षम है। अधिकारियों ने बताया कि जहाज में 26 प्रतिशत घटक स्वदेशी हैं, जिसमें समुद्र और जमीन दोनों पर निशाना साधने के लिए ब्रह्मोस लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल भी शामिल है। भारतीय नौसेना के अनुसार, युद्धपोत आईएनएस तमाल 125 मीटर लंबा है और इसका वजन 3900 टन है। इस युद्धपोत में भारतीय और रूसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों व युद्धपोत निर्माण की सर्वोत्तम पद्धतियों का उपयोग किया गया है।

नौसेना में शामिल होने के बाद तमाल भारतीय नौसेना की स्वॉर्ड आर्म में शामिल हो जाएगा। स्वॉर्ड आर्म भारतीय नौसेना में पश्चिमी बेड़े के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पद है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि युद्धपोत आईएनएस तमाल न केवल भारतीय नौसेना की बढ़ती क्षमताओं का प्रतीक होगा, बल्कि यह भारत-रूस साझेदारी की सहयोगी ताकत का भी उदाहरण पेश करेगा।

तुरंत हमला करने वाले पनडुब्बी रोधी रॉकेटः इस युद्धपोत को नौसेना में शामिल किए जाने के लिए आयोजित होने वाले समारोह की अध्यक्षता पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल संजय जे सिंह करेंगे। इस कार्यक्रम में कई उच्च पदस्थ भारतीय और रूसी रक्षा अधिकारी शामिल होंगे। आईएनएस तमाल तुषिल श्रेणी का दूसरा युद्धपोत है, जो अपने पूर्ववर्ती तलवार और तेग कैटेगरी का मॉडर्न वर्जन है। अधिकारियों ने बताया कि युद्धपोतों की यह श्रृंखला पूरी होने से भारतीय नौसेना चार विभिन्न श्रेणियों में समान क्षमताओं और उपकरण, हथियार व सेंसर में समानता वाले 10 युद्धपोतों का संचालन करेगी।

ईरान ने बिना मिसाइल दागे कर दिया दुनिया को हिलाने का इंतजाम, भारत तक आएगा असर

संसद में पास हो गया होर्मुज स्ट्रेट बंद करने का प्रस्ताव

नई दिल्लीः इजरायल से जंग और अमेरिका के हमले के बीच ईरान बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। ईरान की संसद में होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। हालांकि इस पर फाइनल फैसला सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल लेगी। इस जलमार्ग से दुनियाभर का करीब 26 फीसदी तेल व्यापार होता है। अगर ईरान इस फैसले को लागू कर देता है, तो पूरी दुनिया में तहलका मच जाएगा। अमेरिका और भारत पर भी इसका असर होगा। बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर और हिंद महासागर से जोड़ता है।

यह करीब 33 किलोमीटर चौड़ा रास्ता है, जिस पर ईरान का अधिकार है। खाड़ी देशों के तेल की ज्यादातर सप्लाई इसी रास्ते से होती है। ईरान अगर ऐसा कदम उठाता है, तो कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। इसके बाद पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ेंगी और फिर दुनिया का बड़ा हिस्सा महंगाई से त्रस्त हो जाएगा।

पुनौराधाम में होगा मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण, नीतीश कुमार ने किया ऐलान

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम उठाते हुए पुष्टि की कि सीतामढ़ी में पुनौराधाम के व्यापक विकास के लिए मास्टर प्लान को अंतिम रूप दे दिया गया है। माना जाता है कि सीतामढ़ी देवी सीता की जन्मस्थली है। यह घोषणा राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक मील का पत्थर है और आगामी विधानसभा चुनावों से पहले की गई है। प्रस्तावित डिजाइन की तस्वीरें एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर साझा करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि सीतामढ़ी के पुनौराधाम में जगत जननी माता जानकी को समर्पित एक भव्य मंदिर के लिए वास्तुशिल्प डिजाइन अब तैयार है। निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक समर्पित ट्रस्ट भी स्थापित किया गया है। मंदिर का निर्माण पूरे बिहार के लिए गर्व और सौभाग्य की बात होगी।

राज्य सरकार द्वारा जारी योजना के अनुसार, जानकी मंदिर का निर्माण पारंपरिक भारतीय मंदिर वास्तुकला की शैली में किया जाएगा। इस परियोजना में तीर्थयात्रियों और आगंतुकों के लिए कई आधुनिक सुविधाएँ भी शामिल हैंः आरामदायक विश्राम स्थल, एक धर्मशाला, एक संग्रहालय, पार्किंग क्षेत्र, एक प्रार्थना कक्ष और एक सांस्कृतिक मंच। भव्य प्रवेश द्वार से लेकर गर्भगृह तक की वास्तुकला को भक्तों के आध्यात्मिक अनुभव को गहरा करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। सीएम कुमार ने कहा कि धार्मिक नेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों और वास्तुकला विशेषज्ञों से मिलकर बना नवगठित ट्रस्ट गति, पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निर्माण कार्य की देखरेख करेगा। बजट और निविदा प्रक्रिया की घोषणा जल्द ही की जाएगी। पुनौराधाम हिंदू परंपरा में मिथिला की बेटी और भगवान राम की पत्नी सीता की जन्मस्थली के रूप में पवित्र महत्व रखता है। बिहार सरकार अब इस पूजनीय स्थल को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है। इस पहल को राज्य की सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने और चुनावों से पहले लोगों की भावनात्मक भावनाओं से जुड़ने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में भी देखा जा रहा है। सीतामढ़ी के स्थानीय लोगों, खासकर पुनौराधाम क्षेत्र के लोगों में उत्साह साफ देखा जा सकता है, जो लंबे समय से एक भव्य मंदिर की मांग कर रहे हैं। निवासी इस परियोजना को न केवल क्षेत्र के आध्यात्मिक परिदृश्य के लिए बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था के लिए भी परिवर्तनकारी मानते हैं। मंदिर से पर्यटन को बढ़ावा मिलने, रोजगार पैदा होने और स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

राज्यपाल ने किया बालिका छात्रावास का लोकार्पण, कहा-

शिक्षा और संस्कार के समन्वय से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव

● शहीद वीर लांसनायक अल्बर्ट एक्का को किया नमन ● बच्चों के साथ किया पौधरोपण

संवाददाता

गुमला : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज गुमला जिले के रायडीह प्रखंड अंतर्गत बिन्देश्वरी लाल साहू सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भलमण्डा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण किया। राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद वीर लांसनायक अल्बर्ट एक्का के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि प्रसन्नता है कि विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा सैकड़ों विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य किए जा रहे हैं, यह संगठन वर्षों से झारखण्ड के दूरस्थ ग्रामों एवं जनजातीय अंचलों में शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है।

राज्यपाल ने मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट, सूरत, गुजरात ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित 236वां सरस्वतीधाम (बालिका छात्रावास) के लोकार्पण के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि आज यहाँ आरम्भ यह छात्रावास केवल एक भवन नहीं, बल्कि ग्रामीण एवं जनजातीय अंचल की बालिकाओं के स्वावलंबन, आत्मबल और उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। उन्होंने इस छात्रावास के निर्माण में सहयोग प्रदान हेतु बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब समाज संगठित होकर शिक्षा के लिए प्रयास करता है, तब परिवर्तन की दिशा सुनिश्चित होती है। उन्होंने उल्लेख करते हुए कि हाल ही में उन्हें विद्या विकास समिति, झारखण्ड द्वारा नगड़ी, कुदलुंग में आयोजित जनजातीय प्रवासी कार्यकर्ता प्रशिक्षण समापन समारोह में भाग लेने का अवसर मिला, जहाँ उन्होंने समिति की कार्यपद्धति और प्रतिबद्धता को निकट से देखा और अनुभव किया।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण–बेटी पढ़ेगी, तभी देश बढ़ेगा का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखण्ड में अधिकाधिक संख्या में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना जनजातीय प्रतिभाओं को शिक्षा और अवसर देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने हाल ही में श्रीहरि वनवासी कल्याण केन्द्र से सम्बद्ध वनवासी विकास समिति के एक कार्यक्रम में भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज और सेवा संस्थाएँ मिलकर झारखण्ड के वनवासी अंचलों में शिक्षा, संस्कार और परिवर्तनों की आधारशिला रख रही हैं। सुमन रमेश तुलस्यानी ट्रस्ट, मुम्बई द्वारा बच्चों हेतु दो बसें प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है। उन्होंने मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरिटेबल ट्रस्ट सूरत, गुजरात के केशुभाई जी को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य (236 सरस्वतीधाम की स्थापना) हेतु अत्यंत बधाई दी।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि शिक्षा वही जो संस्कार दे और संस्कार वही जो समाज को दिशा दे। यह छात्रावास उसी विचार का मूर्त रूप है। उन्होंने कहा कि यह परिसर केवल आवासीय सुविधा न होकर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र सेवा का केंद्र बने।

इसके उपरान्त राज्यपाल महोदय विकास भारती, बिशुनपुर पहुंचे। वहां उन्होंने विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत के साथ शिष्टाचार भेंट की। और इसके उपरान्त विकास भारती परिसर में पौधरोपण किया। तत्पश्चात ज्ञान निकेतन,विद्यालय के बच्चों के साथ संवाद किया। उन्होंने वहां उपस्थित सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विकास भारती के बेहतर व्यवस्था एवं संचालन की तारीफ की। राज्यपाल महोदय ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं सही देखभाल मिले यह अत्यन्त आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकास भारती इस दिशा में बेहतर कार्य कर रहा है। इस अवसर पर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित,पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमीं,विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत,उपाध्यक्ष रंजना चौधरी,विकास भारती के अन्य सदस्यगण, शिक्षकों, अभिभावकों, ग्रामिणों तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

फूट ओवरब्रिज के नीचे से लावारिस हालत में व्हिस्की जब्त

साहिबगंज: मालदा रेलवे डिविजन अंतर्गत इन दोनों आरपीएफ निरीक्षक के नेतृत्व में प्रत्येक रेलवे स्टेशन एवं ट्रेन में असामाजिक तत्वों के द्वारा अवैध तरह से ले जा रहे तस्करों पर नकल कसा जा रहा है। इसी संदर्भ में बरहरवा रेलवे मैं बीते दिनो आरपीएफ निरीक्षक संजीव कुमार के नेतृत्व स्टेशन पर बैठे यात्रियों और तस्करों सर्च कर रहे थे की उसी समय गुप्त सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए प्लेटफार्म नंबर एक पर न्यू फरक्का साइड के फूट ओवर बृज के नीचे से लावारिस के रूप में 119 नग रॉयल स्टैग सुपीरियर व्हिस्की जिसमें प्रत्येक 750 मिली लीटर है। जिसकी कीमत 780.00प्रत्येक बोतल है जिसमें कुल कीमत 14,820 एक काले रंग के पिट्ठू बैग में दो 14 नग ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की जिसमें प्रत्येक 750 मिली लीटर है। जिसकी कीमत 590.00 प्रत्येक बोतल है। और 8,260 एक सफेद रंग के प्लास्टिक के झोला में बरामद किया गया। आरपीएफ नीरक्षक श्री कुमार ने बताया कि कुल मूल्य रु23,080 है। जबकि लावारिस बैगों को जब्त किया गया और सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करने के बाद सभी जब्त शराब को आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। जहां उपरोक्त जब्त वस्तुओं को आगे के निपटान के लिए साहिबगंज उत्पाद विभाग झारखंड को सौंप दिया गया। इस छापामारी मेंआरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार ने एसआई एल.बी.माझी, एएसआई बी.एन.टुडू, कांस्टेबल अनिल कुमार साह और कांस्टेबलक्ष सहित सहित कई पुलिसकर्मी उपस्थित थे।

साप्ताहिक ई-जनशिकायत निवारण दिवस का आयोजन जारी

उपायुक्त से ऑनलाइन जुड़े भरनो प्रखंड के लोग, बतायी अपनी समस्याए

संवाददाता

गुमला: उपायुक्त के निर्देश पर उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता में आयोजित हुए साप्ताहिक ई-जनशिकायत कार्यक्रम में जारी, डुमरी, विशुनपुर एवं घाघरा के नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपनी समस्याएं बतायी।

कार्यक्रम में जारी ,डुमरी,विशुनपुर, घाघरा से लगभग 40 आवेदकों ने अपनी समस्याओं का विवरण दिया। इन समस्याओं में पुल निर्माण,जलमीनार,सड़क निर्माण, मंईया सम्मान योजना,पेयजल समस्या, सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध नहीं, राशन कार्ड में नाम जोड़ने,आवास, जलमीनार मरम्मती एवं अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित मुद्दे शामिल थे। उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को आवश्यक समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किए जाने हेतु निर्देशित किया। इस दौरान मुख्य रूप से जमीन विवाद, आधार कार्ड में नाम सुधारने, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, केसीसी लोन आदि के सम्बन्ध में कई ग्रामीणों ने वीसी के माध्यम से समस्याओं को रखा। इस समस्या के सम्बन्ध में उप विकास आयुक्त द्वारा संबंधित पदाधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देश दिया गया। इसके अलावा भी कई समस्याओं का समाधान प्रखंड स्तरों पर संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से ऑन द स्पॉट किया गया।

उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय रूप से जिन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है उसका त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया।

ओमप्रकाश गुप्ता के हुसैनाबाद पलामू का अनुमंडल पदाधिकारी बनने से विकास कार्यों में आएगी तेजी

विनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2021 बैच के लोकप्रिय एवं उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले ओमप्रकाश गुप्ता पलामू, हुसैनाबाद के नये अनुमंडल पदाधिकारी बनाए गए हैं। श्री गुप्ता की बेहतर कार्य दक्षता, जनसमस्याओं का सकरात्मक निदान एवं कार्यों के प्रति गंभीरता इनकी सशक्त पहचान है इससे पूर्व श्री गुप्ता योजना एवं विकास विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थापित थे। इस विभाग में उनके पदस्थापना काल के दौरान कार्यों का निष्पादन सुचारू रुप से संपन्न हुआ। श्री गुप्ता प्रशिक्षण के दौरान पश्चिम सिंहभूम चाईबासा में भी पदस्थापित रहे तथा चाईबासा अनुमंडल के प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी भी रहे तत्पश्चात बोकारो जिला के चास के अनुमंडल पदाधिकारी के रुप में भी पदस्थापित रहे इसके पश्चात वे योजना विकास विभाग में संयुक्त सचिव के रूप में पदस्थापित रहे थे तथा वर्तमान समय में उन्हें पलामू के हुसैनाबाद का अनुमंडल पदाधिकारी बनाया गया है। ऐसे आईएएस अधिकारी से अनुमंडल, जिला और राज्य गौरवान्वित होते हैं।

पर्यटक मित्रों ने अधिसूचित पर्यटन स्थलों पर निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाया जनजागरूकता अभियान

गुमला : जिले में पर्यटन, खेल कूद विभाग द्वारा वन विभाग के सहयोग से निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान जिला स्तरीय पर्यटन विशेषज्ञ एवं पर्यटक मित्र द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे की लत के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा नशा-मुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रोत्साहित करना था। अभियान के तहत गुमला जिलान्तर्गत अधिसूचित पर्यटक स्थल टाँगीनाथ धाम, डुमरी * अपार शंख ,डैम एवं *रानी मुड़ी हिल ट्रैक रायडीह पर वन विभाग से समन्वय स्थापित कर उक्त विभाग की टीम द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान वहां उपस्थित लोगों के बीच पंपलेट का भी वितरण किया गया। इस दौरान लोगों को नशा के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि किस प्रकार नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करता है, बल्कि पूरे परिवार एवं समाज पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत जागरूकता शिविरों का सफल आयोजन जारी

जनजातीय समुदाय को योजनाओं से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल

संवाददाता

गुमला : जिला प्रशासन द्वारा धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत 15 जून से लगातार 30 जून 2025 तक जिलेभर में विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय समुदाय सहित वंचित वर्गों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

इसी क्रम में जिले के सभी 12 प्रखंडों में व्यापक स्तर पर जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। गुमला प्रखंड में सिलाफारी और पुगु पंचायत, घाघरा प्रखंड में रुकी और शिवराजपुर पंचायत, बिशुनपुर प्रखंड में गुरदरी पंचायत, डुमरी प्रखंड में जुर्मु पंचायत, चैनपुर प्रखंड में जनावल पंचायत, रायडीह प्रखंड में केपुर पंचायत, पलकोट प्रखंड में तपकारा पंचायत, कामडारा प्रखंड में रामतोल्या पंचायत, सिसई प्रखंड में कुदरा और भदौली पंचायत, भरनो प्रखंड में मारासिली पंचायत, बसिया प्रखंड में आरया और ईटाम पंचायत तथा जारी प्रखंड में चिन्हित पंचायत भवनों में इन शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में सैकड़ों ग्रामीणों की सहभागिता रही, जिनमें अधिकांश लाभार्थी जनजातीय समुदाय से जुड़े थे।

शिविरों में प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना, वन अधिकार अधिनियम, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कृषि एवं उद्यानिकी योजनाएं, मनरेगा, छात्रवृत्ति योजनाएं, जल जीवन मिशन, स्वरोजगार योजनाएं और आजीविका मिशन से संबंधित जानकारी दी गई। पात्र लाभुकों के दस्तावेजों का मौके पर सत्यापन कर योजनाओं से जोड़ा गया। इसके अतिरिक्त शिविर में आधार अद्यतन, आय एवं जाति प्रमाण पत्र निर्गमन, राशन कार्ड सुधार और ऑन-द-स्पॉट आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। ग्रामीणों की समस्याएं संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा सुनी गईं और कई मामलों का समाधान तत्काल रूप से किया गया।

डुमरी प्रखंड अंतर्गत रविवार, 22 जून को अकासी पंचायत भवन में विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया हैं। जिला प्रशासन द्वारा अधिक से अधिक लोगों से शिविर में सम्मिलित होकर लाभ लेने की अपील की गई है।

उपायुक्त गुमला प्रेरणा दीक्षित ने धरती आबा जनभागीदारी अभियान को प्रशासन और आमजन के बीच संवाद एवं सेवा का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि जब तक आम नागरिक स्वयं योजनाओं को लेकर जागरूक नहीं होंगे, तब तक उनके व्यापक प्रभाव की कल्पना अधूरी रहेगी। उन्होंने जिलेवासियों, विशेषकर जनजातीय समुदाय से आग्रह किया कि वे अपने नजदीकी शिविरों में भाग लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने परिवार व समाज को सशक्त बनाने में योगदान दें।